RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः126, गुरुवार , 15 मई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

कारगिल में ड्यूटी पर तैनात नवादा के मनीष कुमार शहीद 03

जनसंख्या नियंत्रण और डेमोग्राफी पर भाजपा का बयान राजनीतिक ... 04

केसरी वीर का गाना ढोलीडा ढोल नगाड़ा रिलीज प्रेम रंग में रंगे... 07

पंचतत्व में विलीन हुए पाक हमले में शहीद जवान रामबाबू

● पार्थिव शरीर से लिपटकर रो पड़े मां और चाचा,भारत माता की जय के लगे नारे

सीवान (एजेंसी)। पाक हमले में शहीद सीवान के जवान रामबाबू प्रसाद (28) बुधवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके पैतृक गांव सिलपुर के ही श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। घाट पर लोगों की भारी भीड़ थी। लोगों की आंखें नम थीं, लेकिन जोश दिखाई दे रहा था। भारत माता और जवान के नाम के नारे लगते रहे। दोपहर ढाई बजे शहीद की पार्थिव देह पटना से सीवान लाई गई। पार्थिव शरीर जिस गाड़ी से लाया गया उसके आगे और पीछे सैकड़ों लोगों का

हुजूम दिखा। भारत माता की जय और रामबाबू अमर रहे के नारे लगे। जैसे ही जवान की पार्थिव देह घर पहुंची, मां बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ी। बेटे को याद कर रोने लगीं। थोड़ी देर बाद शव को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इस दौरान मां और चाचा पार्थिव शरीर से लिपटकर रोने पड़े। रामबाबू प्रसाद 12 मई को पाकिस्तानी ड्रोन अटैक में घायल हो गए थे। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी सोमवार-मंगलवार रात 1 बजे मौत हो गई। वे जम्मू-कश्मीर बॉर्डर पर तैनात थे। रामबाबू प्रसाद गौतम बुद्ध नगर थाना क्षेत्र के वसिलपुर गांव के रहने वाले थे। उनके पिता स्वर्गीय रामविचार सिंह उप मुखिया रहे चुके थे। 14 दिसंबर 2024 को रामबाबू की शादी हुई थी। उनकी पत्नी प्रेग्नेंट है। अप्रैल में रामबाबू सीवान से जम्मू लौटे थे। उनका ट्रांसफर उदयपुर हो गया था, लेकिन पहलगाम अटैक के बाद उन्हें रोक लिया गया था। रामबाबू पाक के हमले नाकाम करने वाले एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम में तैनात थे।

सऊदी-अमेरिका के बीच इतिहास की सबसे बड़ी हथियार डील

रियाद (एजेंसी)। अमेरिका और खाड़ी के प्रमुख मुस्लिम देश सऊदी अरब के बीच इतिहास का सबसे बड़ा हथियार सौदा हुआ है। इसके तहत अमेरिका सऊदी अरब को 124 अरब डॉलर के हथियार और युद्धक साजो-सामान डिलिवर करेगा। वॉइट हाउस ने इस बारे में जानकारी दी है। यह हथियार बिक्री सऊदी अरब के साथ 600 अरब डॉलर के ऐतिहासिक सौदे का हिस्सा है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रियाद यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किया गया।

सुन्नी इस्लामिक मुल्क सऊदी अरब के साथ यह हथियार डील शिया ईरान के लिए खतरे की घंटी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ईरान को यह तय करने की जरूरत है कि वह परमाणु हथियार विकसित करके युद्ध करना चाहता है या शांति और व्यापारिक संबंध चुनना चाहता है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने शांति को अस्वीकार कर दिया तो हमारे पास परमाणु हथियार रखने से रोकने के लिए जरूरी कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। ट्रंप ने कहा,ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की पहली राजकीय यात्रा पर मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंचे।

पाक की वायुसेना का 20 फीसदी इंफ्रास्ट्रक्चर तबाह

इस्लामाबाद/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑपरेशन सिन्दूर में पाकिस्तान में कितनी तबाही मचाई है, उसकी रिपोर्ट अब आ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के हमलों में पाकिस्तान के एक दर्जन से ज्यादा सैन्य ठिकानों को गंभीर नुकसान पहुंचा। भारत के सटीक हमलों में पाकिस्तानी एयरफोर्स के करीब 20 प्रतिशत इन्फ्रास्ट्रक्चर खत्म हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पिन प्वाइंट हमलों की वजह से पाकिस्तान वायुसेना के कई लड़ाकू विमान नष्ट हो गये हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के

हमलों में पाकिस्तान के सरगोधा और भोलारी जैसे प्रमुख गोला-बारूद डिपो और हवाई ठिकानों को निशाना बनाया गया था। ये ऐसे एयरबेस हैं, जहां से पाकिस्तान वायुसेना एफ-16 और जे-17 जैसे लड़ाकू विमानों को ऑपरेट करती है। भारत ने जिस वक्त हमला किया था, उस दौरान कई विमान एयरबेस पर ही मौजूद थे। रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमशोरो जिले में भोलारी एयर बेस पर भी हमला किया था। जिसमें पाकिस्तान एयरफोर्स के स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ के साथ साथ चार और वायुसैनिकों की मौत हो गई। इस हमले में पाकिस्तान के 50 से ज्यादा लोग मारे गये हैं। सूत्रों ने कहा है कि भारतीय हमले में पाकिस्तान एयरफोर्स के कई विमानों को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

बिहार में बीजेपी की सरकार बनवाना चाहते हैं ओवैसी

कटिहार (एजेंसी)। सीमांचल में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से सामाजिक न्याय और जनजागरण कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कटिहार के सर्किट हाउस में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद मोहम्मद अली अशरफ फातमी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने राजनीतिक विचारों को बेबाकी से रखा। इस दौरान अली अशरफ फातमी ने एआईएमआईएम

प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर करारा हमला बोला। फातमी ने कहा कि ओवैसी अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं। उनकी राजनीतिक गतिविधियां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाने के मकसद से संचालित होती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ओवैसी और भाजपा के बीच एक तरह की नूरा कुश्ती चल रही है, जिसमें दोनों एक-दूसरे को रणनीतिक लाभ पहुंचाते हैं। उन्होंने दावा किया कि एक समय उन्होंने खुद ओवैसी का समर्थन किया था, लेकिन बाद में खुद को ठगा हुआ महसूस किया। फातमी का दावा है कि असदुद्दीन ओवैसी की योजना भाजपा को बिहार में सत्तारूढ़ कराने की है और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को सत्ता से बाहर करना उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के अंदर के कई लोग इस मिलीभगत को स्वीकार भी करते हैं, और यहां तक कहा जा रहा है कि नीतिश कुमार भारत रत्न लेकर राजनीति से संन्यास ले लें। पूर्व मंत्री फातमी ने कहा कि आज बिहार में समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और जनहित की राजनीति को आगे बढ़ाने वाला एकमात्र नेता तेजस्वी यादव हैं। उन्होंने उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे उपयुक्त चेहरा बताते हुए कहा कि राज्य में जनता के विश्वास का केंद्र अब सिर्फ तेजस्वी हैं।

देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मिल गई मंजूरी

● यूपी के जेवर में बनेगा मेगा सेमीकंडक्टर प्लांट

हर महीने 3.6 करोड़ चिप बनेंगी,बड़ा है तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अब वो दिन दूर नहीं जब भारतीय फोन और लैपटॉप अपने ही देश में सस्ते दामों पर खरीद सकते हैं। दरअसल, मोदी सरकार ने भारत की चिप बनाने की महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा दिया है। इसके मद्देनजर आज बुधवार को मोदी कैबिनेट ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश के जेवर में भारत की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दी है। 3,706 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यह परियोजना एचसीएल और फॉक्सकॉन के बीच एक ज्वाइंट वेंचर होगी। बता दें कि जेवर प्लांट में उत्पादित चिप्स का उपयोग मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, पीसी आदि में किया जाएगा। अन्य पांच सेमीकंडक्टर गुजरात और असम में अंडर कंस्ट्रक्शन हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि करीब 3706 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित होने वाली इस प्लांट में लगभग दो हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। यह यूनिट एचसीएल और फोक्सकॉन के सहयोग से स्थापित की जाएगी और इसमें डिस्प्ले ड्राइव का निर्माण किया जाएगा। इसकी कैपासिटी मंथली 3.6 करोड़ माइक्रो चिप्स की होगी। सरकार ने कहा, पहले से ही पांच सेमीकंडक्टर यूनिट निर्माण के एडवांस स्टेज में हैं। अब 6वीं यूनिट के साथ भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उद्योग को विकसित करने की अपनी यात्रा में आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग अब पूरे देश में आकार ले रहा है। देश भर के कई राज्यों में विश्व स्तरीय डिजाइन सुविधाएं आ गई हैं।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में हथियारों का जखीरा बरामद

● इसमें एके-47 और हैंड ग्रेनेड शामिल,सेना ने 3 आतंकियों को यहीं किया था ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के केलर में बुधवार को भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। इसमें एके-47 गन समेत कई तरह की बंदूकें, हैंड ग्रेनेड, हजारों की संख्या में गोलियां शामिल है। केलर में ही 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। शोपियां जिले के केलर स्थित शुरू फॉरेस्ट एरिया में मंगलवार को शाम 4.30 बजे मुठभेड़ खत्म हुई थी।

इसे ऑपरेशन को केलर नाम दिया गया था। मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शाहिद अहमद कुट्टी भी शामिल था। 13 मई की दोपहर 12 बजकर 53 मिनट पर भारतीय सेना के असिस्टेंट डायरेक्टर जनरल ऑफ पब्लिक इन्फॉर्मेशन यानी ने सोशल मीडिया एक्स पर ऑपरेशन केलर की जानकारी दी।

पोस्ट में लिखा- 'भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स विंग को खुफिया सोर्सेज से शोपियां के शोकल केलर इलाके में आतंकियों के होने की जानकारी मिली । इसके बाद भारतीय सेना ने 'सर्च एंड डिस्ट्रॉय' यानी आतंकियों को ढूंढ़कर मारने का ऑपरेशन लॉन्च किया।' यह ऑपरेशन भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और खुफिया एजेंसियों के संयुक्त प्रयास से किया गया था।

गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मिलेगा पोषण का सुरक्षा कवच

● योगी सरकार ने 51 करोड़ रुपए दिए,आंगनबाड़ी से गांव-गांव पहुंचेगा पौष्टिक आहार

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने कुपोषण के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के लाभार्थियों के लिए अनुपूरक पुष्टाहार की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 51.89 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि को मंजूरी दी है। यह फैसला नैफेड के माध्यम से पुष्टाहार सामग्री की बढ़ती लागत को देखते हुए लिया गया है। इसके साथ ही, योगी सरकार ने अनुपूरक पुष्टाहार योजना हेतु टॉप-अप व्यवस्था नाम की एक नवोन्मेषी पहल शुरू की है, जो लागत में वृद्धि के बावजूद पोषण आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। योगी सरकार का यह कदम न केवल बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है, बल्कि ग्रामीण सशक्तीकरण और सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति देने में महत्वपूर्ण है। समन्वित बाल विकास योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं तथा 14 से 18 वर्ष की किशोरियों को पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह योजना कुपोषण और स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए चलाई जा रही है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां ये चुनौतियां गंभीर हैं। प्रदेश के लाखों आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से फोर्टिफाइड गेहूं दलिया, चना दाल, मसूर दाल

और खाद्य तेल जैसी पौष्टिक सामग्री लाभार्थियों तक पहुंचाई जाती है। केंद्र और राज्य सरकार इस योजना में 50-50 प्रतिशत की हिस्सेदारी करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पोषण का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचे।

● 'अनुपूरक पुष्टाहार योजना हेतु टॉप-अप व्यवस्था' की शुरुआत- इस चुनौती से निपटने के लिए योगी सरकार ने अनुपूरक पुष्टाहार योजना हेतु टॉप-अप व्यवस्था शुरू की है। इस व्यवस्था के तहत, यदि नैफेड द्वारा आपूर्ति की गई सामग्री की लागत निर्धारित मानकों से अधिक होती है, तो राज्य सरकार उस अतिरिक्त लागत को वहन करेगी। इस नवाचार के तहत, वित्तीय वर्ष 2024-25 के तीसरे तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2024) के लिए 25.92 करोड़ रुपए और चौथे तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) के लिए 25.97 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। कुल 51.89 करोड़ रुपए की यह राशि टॉप-अप के रूप में प्रदान की गई है, ताकि पुष्टाहार की आपूर्ति में कोई रुकावट न आए। इसके अतिरिक्त, सरकार ने भविष्य में भी नैफेड की बढ़ी हुई दरों को समायोजित करने के लिए टॉप-अप व्यवस्था के तहत धनराशि प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि बाजार कीमतों में उतार-चढ़ाव का बोझ लाभार्थियों पर न पड़े और पोषण आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहे।

असम पंचायत चुनाव में बीजेपी की 'प्रचंड' जीत

असमिया मुस्लिमों ने भी दिया वोट,कांग्रेस फिसड्डी

हिमंत बिस्व सरमा ने ठोंक दिया 105 सीटों पर दावा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के पंचायत चुनावों में बीजेपी और उसके सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) ने कांग्रेस को करारी शिकस्त दी है। दोनों दलों ने असम के ग्रामीण इलाकों में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जहां कभी कांग्रेस का सिक्का चलता था। बीजेपी और एजीपी ने 397 जिला परिषदों में से 300 पर कब्जा कर लिया है। दोनों दलों की जोड़ी ने 2,192 आंचलिक पंचायतों में से 1,436 जीत ली हैं। वोटिंग पैटर्न में इस बदलाव का असर विधानसभा में दिखा तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा। 2018 के मुकाबले इस बार एनडीए का वोट शेयर 26 फीसदी बढ़ा है। इन आंकड़ों के आधार पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी 126 में से 104 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा में अभी बीजेपी के 64 विधायक हैं। उसके सहयोगी असम गण परिषद के नौ और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल के सात विधायक हैं। अगले साल 2026 में राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। जिला परिषद में मिले वोट का आंकलन किया जाए तो एनडीए 105 विधानसभा में जीत मिल सकती है। असम के सीएम ने दावा किया कि बीजेपी ने मुस्लिम बहुल सीटों पर भी जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस पूरे असम में एक भी हिंदू-बहुल सीट नहीं जीत पाई। स्वदेशी मुसलमानों में बीजेपी का वोट प्रतिशत 60-70 प्रतिशत तक बढ़ गया है।

भारत के 52वें सीजेआई बने जस्टिस बीआर गवई

● राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ,देश के पहले बौद्ध चीफ जस्टिस, 6 महीने का कार्यकाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने भारत के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जस्टिस गवई को सीजेआई पद की शपथ दिलाई। मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो चुका है। सीजेआई खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम था। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का है। सीजेआई गवई देश के दूसरे दलित और पहले बौद्ध चीफ जस्टिस हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक, जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे। सीजेआई गवई की मां कमलताई ने कहा, मैंने हमेशा चाहा था कि मेरे बच्चे अपने पिता के रास्ते पर चलें और समाज की सेवा करें। भूषण ने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया।

भारत को महंगा पड़ सकता है अमेरिका-चीन 'सीजफायर'

ड्रैगन के सामने होगी मुश्किल, मिल गया था सुरक्षित ठिकाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में तेजी का माहौल था। निवेशक खुश थे। अप्रैल से अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में लगभग 2 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। लेकिन अमेरिका और चीन का टैरिफ सीजफायर इसमें भारतीय बाजार पर भारी पड़ सकता है। दोनों देशों ने एकदूसरे पर हाल में लगाए गए भारी टैरिफ में कटौती की है। यह व्यवस्था आज से लागू हो गई है और 90 दिन तक जारी रहेगी। ऐसी स्थिति में विदेशी निवेशक भारत से पैसा निकालकर एक बार फिर चीन में लगा सकते हैं। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार से भारत निवेशकों के लिए सुरक्षित जगह बन गया था। सीएलएसए के विश्लेषकों ने कहा है कि चीन और अमेरिका के बीच समझौता होने से भारत का आकर्षण कम हो सकता है। मार्च से भारत का बाजार सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला दूसरा बाजार था। व्यापार युद्ध के डर से विदेशी निवेशक भारत में पैसा लगा रहे थे। हालांकि कुछ जानकारों का कहना है कि वे चीन की वापसी की कहानी पर विश्वास नहीं करते हैं। ओम्नीसाइंस कैपिटल के सीईओ डॉ. विकास गुप्ता का कहना है कि चीनी बाजार ने निवेशकों को लंबे समय में कोई फायदा नहीं दिया है। गुप्ता ने कहा कि चीन 2011 से आज तक लगभग स्थिर है जबकि चीन की जीडीपी बहुत तेजी से बढ़ी है। इससे पता चलता है कि चीन में कंपनियों के वैल्यू बनाने में कुछ समस्या है। कुछ समय के लिए चीन में निवेश बढ़ सकता है लेकिन लंबे समय के लिए चीन में निवेश की संभावना कम है। वहां की इकॉनमी में कई समस्याएं हैं। मसलन चीन पर कर्ज बहुत ज्यादा है, काम करने वाले लोगों की संख्या घट रही है और बैंकों की हालत भी कमजोर है। इन कारणों से चीन में निवेश करने से डरेंगे, भले ही टैरिफ कम हो जाए।

संक्षिप्त समाचार

बिहार प्रशासनिक सेवा के इन 15 पदाधिकारियों को क्यों मिला नोटिस, एक हफ्ते में देना होगा जवाब

पटना, एजेंसी। सामान्य प्रशासन विभाग ने सेवा इतिहास पोर्टल के अपडेशन कार्य में भाग नहीं लेने वाले बिहार प्रशासनिक सेवा के 15 पदाधिकारियों से एक हफ्ते के अंदर स्पष्टीकरण मांगा है। विभाग के अवर सचिव ने पत्र जारी कर कहा है कि बार-बार सूचना दिए जाने के बावजूद सेवा इतिहास पोर्टल को अब तक अपडेट नहीं कराया जाना अनुशासनहीनता का द्योतक और वरीय पदाधिकारी के आदेश की अवहेलना है। विभाग ने पूछा है कि क्यों नहीं आपके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई प्रारंभ करने की अनुशंसा की जाये। इन पदाधिकारियों को 19 मई को निर्धारित अपडेशन कार्यक्रम में निश्चित रूप से उपस्थित होने का निर्देश भी दिया गया है। राज्य सरकार बिप्रसे पदाधिकारियों की सेवा से संबंधित सभी सूचना व अभिलेख का ऑनलाइन संधारण कर रही है। इसके लिए पदाधिकारियों को निर्धारित तिथि को सामान्य प्रशासन विभाग में निर्धारित तिथि को उपस्थित होकर सेवा इतिहास पोर्टल पर स्वयं से संबंधित डेटा को अपलोड कराना होता है। सुशील कुमार, मनोज कुमार, अखिलेश कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार, राकेश कुमार, राकेश कुमार झा, प्रमोद कुमार, गयन कुमार राम, सूरज कुमार सिन्हा, रेणु कुमारी, उत्तम कुमार, सुधीर कुमार, दुष्यंत कुमार, दीप शिखा, एवं आरूप शामिल है।

बिहार चुनाव से पहले राहुल गांधी का बिहार दौरा

- दरभंगा में छात्रों से करेंगे संवाद

पटना, एजेंसी। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार चुनाव से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के 62 नेता 15 मई को बिहार दौरे पर रहेंगे। ये राज्य के अलग-अलग हिस्सों में कांग्रेस की शिक्षा न्याय संवाद में शामिल होंगे। राहुल गांधी दरभंगा में छात्रों के साथ संवाद करेंगे। उसी समय अन्य नेता भी जनसंवाद करेंगे। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने सदाकत आश्रम में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के छात्रों से शिक्षा न्याय संवाद एससी-एसटी, ओबीसी छात्रावासों और कम्युनिटी हॉल में होगा। इसमें राज्य की शिक्षा और छात्रों के हालात पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बिहार की शक्ति से ही देश की प्रगति संभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के 358 प्रखंडों में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं खुला, स्थायी शिक्षकों की भारी कमी है। इस दौरान प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय और सौरभ सिन्हा मौजूद रहे।

नीतीश के पहुंचने पर बनी शहीद के घर तक सड़क, सिर्फ 6 मिनट रुके सीएम

परिवार को 50 लाख का चेक दिया

छपरा, एजेंसी। पाकिस्तान हमले में शहीद छपरा के नारायणपुर गांव के बीएसएफ एसआई मो. इम्तियाज को सोमवार को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मंगलवार को सीएम नीतीश कुमार इम्तियाज के घर छपरा पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को 50 लाख का चेक भी सौंपा। इसमें 21 लाख रुपए बिहार सरकार और 29 लाख रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए गए। सीएम नीतीश शहीद जवान के घर 6 मिनट तक रुके। नीतीश कुमार 4:23 बजे शहीद के घर पहुंचे और 4:29 बजे वहां से निकल गए। शहीद के परिवार ने मुख्यमंत्री से छोटे बेटे को नौकरी की मांग की। बेटी बीपीएससी की तैयारी कर रही है, उसकी पढ़ाई में मदद। स्व इम्तियाज के नाम पर सड़क और अस्पताल बनाने की मांग की। सीएमने परिवार को आश्वासन दिया कि ये सब हो जाएगा। सरकार आपके साथ है। सीएम के पहुंचने से पहले शहीद हुए जवान के घर वाली सड़क बनाई गई। 8 साल पहले ये सड़क बनी थी। 3 साल से खराब थी। सोमवार देर रात सीएम के आने का प्रोटोकॉल जारी हुआ तो सड़क बनाने का काम शुरू हुआ। नीतीश कुमार जिस हेलीपैड पर उतरे, वहां से शहीद के घर तक ये सड़क बनाई गई है। इसकी दूरी करीब डेढ़ किलोमीटर है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को बिहार के शहीद बीएसएफ एसआईमो. इम्तियाज के परिजनों से मुलाकात की। तेजस्वी यादव ने कहा, छपरा और बिहार के लाल शहीद मोहम्मद इम्तियाज पर हम सभी को गर्व है। ये साबित हो गया कि जब भी देश को जरूरत पड़ती है तो बिहार के लोग हमेशा आगे रहते हैं। मोहम्मद इम्तियाज 15 दिन पहले यहां आए थे। उन्होंने बहादुरी के साथ दुश्मन का समाना किया। उन पर हम सभी लोगों को गर्व है। भारतीय सेना पर हम सभी को गर्व है। पाकिस्तान को सेना ने मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया।

छात्रा ने स्कूल टीचर पर लगाया बैड टच का आरोप

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में क्लास 4 में पढ़ने वाली पूर्व प्रमुख की भतीजी से स्कूल में टीचर ने बैड टच किया है। स्टूडेंट ने अपने क्लास टीचर पर ही छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। स्टूडेंट का आरोप है कि उसके टीचर उसे न सिर्फ गंदी निगाहों से क्लास में घूरते है, बल्कि गंदे इशारे करते और उसे बैड टच भी करते हैं। क्लास से बच्चों के जाने पर टीचर ने उसे टास्क देने के बहाने रोक लिया और जोर जबरदस्ती करनी चाही। इस पर बच्ची किसी तरह वहां से निकल कर भागी और परिजनों को पूरी बात बताई, जिसके बाद खूब बवाल हुआ। मामले को लेकर पीड़ित छात्रा के पिता ने के.नगर थाना में आवेदन देकर स्कूल के शिक्षक के खिलाफ किशोरी से छेड़छाड़ का आरोप लगाया। आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग की है। आरोपी शिक्षक की पहचान के.नगर थाना क्षेत्र के भोकराहा गांव निवासी तारीख आलम के रूप में हुई है। छात्रा के पिता ने मंगलवार को बताया कि उनकी 13 साल की बेटी क्लास 4 की स्टूडेंट है। बेटी पर उसके स्कूल के ही तारीख आलम नाम के शिक्षक की गंदी नजर है। बेटी ने उन्हें बताया कि उसके क्लास टीचर उसे गंदी निगाहों से क्लास में घूरते है, बल्कि गंदे इशारे करते और उसे बैड टच भी करते हैं।

घर में शिक्षक की करतूत के बारे में लड़की ने बताया : क्लास से बच्चों के जाने पर टीचर ने उसे टास्क देने के बहाने रोक लिया और जोर जबरदस्ती करनी चाही। इस पर वो किसी तरह वहां से निकल कर भागी और शिक्षक से खुद को बचाया। बच्ची बिलखती हुई घर पहुंची और शिक्षक के गंदे करतूतों के बारे में बताया। इसकी शिकायत लिए वे स्कूल पहुंचे और प्रिंसिपल से कंपलेन किया, तो उनकी शिकायत पर आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई करने के बजाय प्रिंसिपल उनके ऊपर ही भड़क गए और अभद्रता पूर्ण व्यवहार करते हुए स्कूल से भगा दिया। स्कूल के प्रिंसिपल सुरज चौधरी ने बताया कि मामला जैसे ही उनके संज्ञान में आया, शिक्षक को स्कूल से हटाया जा रहा है। परिजनों की ओर से स्कूल प्रशासन पर लगाए आरोप बेबुनियाद हैं। मामले को लेकर प्रभारी थानाध्यक्ष सोनी कुमारी ने बताया की पीडित छात्रा के पिता ने आवेदन दिया है, मामले की जांच चल रही हैं।

बिहारशरीफ शहर का होगा विकास लोगों को होगा फायदा

नालंदा में 31.65 करोड़ की 25 योजनाओं को मंजूरी, पंचाने नदी पर बनेगा इंद्रधनुषी पुल

नालंदा, एजेंसी। बिहारशरीफ शहर के विकास के लिए राज्य सरकार ने 31 करोड़ 64 लाख 63 हजार 740 रुपए की 25 विकास योजनाओं को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत स्वीकृत इन परियोजनाओं से शहर की बुनियादी संरचना में व्यापक सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी ने इन योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया है। नागरिक सुविधा केंद्र वार्ड-16 अम्बेर में एक आधुनिक नागरिक सुविधा केंद्र का निर्माण किया जाएगा, जिसमें सौंदर्यीकरण का काम भी शामिल है। यह केंद्र स्थानीय नागरिकों के लिए विभिन्न सरकारी सेवाओं को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराएगा।

सोहसराय स्थित सूर्य मंदिर से पंचाने नदी पर इंद्रधनुषी पुल का निर्माण होगा, जो स्थानीय यातायात को सुगम बनाएगा। इसके अलावा, शहर में जल निकासी की समस्या से निपटने के लिए खरजमा मोड़ से पंचाने नदी तक जल निकासी नाला और वार्ड चार सोहसराय में पंचाने नदी के किनारे नाला निर्माण काम किया जाएगा।

महत्वपूर्ण सड़कों का होगा निर्माण

शहर में कई महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण किया जाएगा। जिनमें प्रमुख सोहसराय चौक से पूरब की ओर खासगंज लोहगानी होते हुए बिहार-निजाज पथ तक सड़क निर्माण का काम है।

वार्ड-51 वाजितपुर प्राथमिक विद्यालय से एनएच रामलखन सिंह यादव कॉलेज तक पथ निर्माण होगा। वार्ड-46 में दुर्गा स्थान से सोराबीपर मोड़ तक पथ निर्माण होगा। वार्ड-12 बिहारशरीफ-रहुई रोड से इमादपुर तक पथ निर्माण होगा। वार्ड एक में एनएच-20 से सोहडीह की ओर गोलापर जाने वाली सड़क का जीर्णोद्धार काम होगा। वार्ड तीन बिचली अड़ान में सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाएगा, जिससे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक उपयुक्त जगह मिलेगा।

बिहार के 15 जिलों में सहकारी बैंक खोलने की तैयारी 1 लाख लोगों को लोन देने का क्या है प्लान

पटना, एजेंसी। बिहार में सहकारी बैंकों का विस्तार होगा। प्रदेश में 15 जिला सहकारी बैंक और 144 प्रखंडों में शाखाएं खोलने का प्रस्ताव रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को भेजा गया है। अभी 23 जिले में सहकारी बैंक संचालित हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने सूचना भवन सभागार में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में राज्य के हरेक गांव तक सहकारी बैंक की पहुंच हो जाएगी। एक लाख लोगों को स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह से जोड़कर लोन दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर सभी सहकारी बैंकों में मई माह में विशेष बैंकिंग अभियान चलाया जाएगा। सभी प्रबंध निदेशकों तथा शाखा प्रबंधकों को इस अभियान को अचूक रूप से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चलाने का निर्देश दिया गया है। अबतक 1123 स्थलों पर सहकारिता जागरूता, वित्तीय समावेशन एवं बैंकिंग सेवा से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। 805 पंचायतों में सेवा पहुंचायी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में 14 माइक्रो एटीएम वितरित किए गए हैं। 1723 से अधिक नए बैंक खाते खोले गए हैं। प्रेसवार्ता में अपर सचिव अभय कुमार सिंह, अपर निबंधक प्रभात कुमार, संयुक्त निबंधक निसार अहमद, कामेश्वर ठाकुर, उपनिबंधक अमर कुमार झा आदि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि वेजफेड के तहत भी समितियां बनाने का काम तेजी से चल रहा है। अबतक 470 प्रखंडों में समितियां गठित हो चुकी हैं। चार यूनियन बन गया है। 15 जून तक शेष प्रखंडों में भी समितियां गठित हो जाएंगी। अन्य प्रमंडलों में भी सब्जी संघ का गठन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर समितियों को कोल्ड स्टोरेज और गोदाम बनाने के लिए अनुदान दिए जा रहे हैं। अब तक 64 जगहों पर इसकी स्वीकृति दी जा चुकी है।

इंडो-नेपाल बॉर्डर सड़क दिसंबर तक बन जाएगी 2486.22 करोड़ रुपए से निर्माण कार्य हो रहा

पटना, एजेंसी। सामरिक दृष्टि से अहम इंडो-नेपाल बॉर्डर सड़क इस साल पूरी बन जाएगी। बिहार में भारत-नेपाल सीमा से सटे पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज जिलों को जोड़ने वाली इंडो-नेपाल बॉर्डर सड़क परियोजना का निर्माण अंतिम चरण में है। 450 किमी से अधिक सड़क यानी 80 प्रतिशत निर्माण हो गया है। इस संबंध में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि इस साल दिसंबर तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है। पश्चिमी चंपारण के मदनपुर से शुरू होकर किशनगंज के गलगलिया होते हुए सिलिगुड़ी तक जाने वाली इस महत्वपूर्ण केंद्रीय परियोजना का निर्माण 2486.22 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण और 131 पुल व पुलियों के निर्माण के लिए राज्य सरकार अपनी तरफ से 3300 करोड़ रुपए खर्च कर रही है।

एसएसबी की चौकियों को सड़क मार्ग से जोड़ना उद्देश्य : साल 2010 में इस सड़क का निर्माण शुरू हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा सुरक्षा बल की चौकियों को सड़क मार्ग से जोड़ना और सीमावर्ती क्षेत्रों में

अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण स्थापित करना है। भारत-नेपाल की कुल 729 किलोमीटर लंबी सीमा में से बिहार की 554 किलोमीटर सीमा इस सड़क परियोजना के दायरे में है। उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश और बिहार को मिलाकर इसकी कुल लंबाई 1372 किलोमीटर है। मंत्री ने कहा कि यह सड़क सीमा सुरक्षा बल की चौकियों तक तेज और सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करेगी। अवैध घुसपैठ और तस्करी पर सख्त नियंत्रण का माध्यम बनेगी। सीमावर्ती क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और कृषि उत्पादों के लिए सुगम, सुरक्षित और सीधा संपर्क मार्ग होगा।

रेलवे की जमीन पर 39 पिलर में 28 बने, सात के लिए अनुमति का इंतजार

दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड: रेलवे ने एनएचएआई को दानापुर स्टेशन के पास 4 पिलर के लिए एनओसी दिया

पटना, एजेंसी। रेलवे ने एनएचएआई को दानापुर स्टेशन के पास चार पिलर बनाने की एनओसी जारी किया है। सात पिलर के लिए बातचीत जारी है। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक रेलवे के 1.8 किमी जमीन पर 39 पिलर का निर्माण होना है। इसमें 28 पिलर बन गया है। चार पिलर के लिए एनओसी मिला है। सात पिलर के लिए अनुमति का इंतजार है। इस एलिवेटेड रोड पर चढ़ने के लिए लोगों को दो विकल्प मिलेगा। पहला सुगना मोड के तरफ से आने वाले लोग रेलवे के कार्यालय शुरू होने से पहले ही एलिवेटेड रोड पर चढ़ेंगे।

सितम्बर 2026 में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य : परियोजना की कुल लागत 4432.97 करोड़ है। इसका कार्य 7 सितंबर 2026 को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस एलिवेटेड रोड के नीचे सर्विस रोड होगा। इससे लोकल यात्री सफर करेंगे। दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड से बिहटा एयरपोर्ट की सीधी कनेक्टिविटी होगी। इसके लिए एलिवेटेड रोड से बिहटा एयरपोर्ट के बीच चौड़ी सड़क बन रही है।

स्लैब चढ़ाने का शुरू होगा काम

दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड का 64 प्रतिशत पिलर बनकर तैयार हो गया है। अब इन पिलरों पर स्लैब चढ़ाने का काम शुरू होगा। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक 387 पाया पर एलिवेटेड रोड बन रहा है। इसमें 248 पाया बनकर तैयार हुआ है। 27 पाया के लिए पायलिंग हुआ है।

जाम से मिलेगी निजात

एलिवेटेड रोड के निर्माण से पटना और बिहटा के बीच आम लोग जाम मुक्त सफर कर सकेंगे। इसका सीधा फायदा भोजपुर, बक्सर

समेत पूरे शाहाबाद इलाके में आने-जाने वाले लोगों को मिलेगा। इसके साथ ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से उत्तर प्रदेश-दिल्ली समेत अन्य इलाके में लोग तेजी से पहुंच सकेंगे।

बेटों ने मां के साथ मिलकर पिता की कर दी हत्या

घर में पराई औरत के साथ पत्नी ने पकड़ा

गया, एजेंसी। गया में मंगलवार को 2 बेटों ने मां के साथ मिलकर पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घर में लाठी-डंडे से तीनों ने बुरी तरह से पीटा। पिटाई से पहले घर में काफी बहस हुई थी। बात इतनी बढ़ गई कि तीनों ने मिलकर शख्स को मार डाला। पुलिस की पूछताछ आरोपी बेटे ने बताया कि घरेलू विवाद में अपने पिता की हत्या की है। हालांकि सूत्रों के अनुसार पता चला है कि मृतक राज कुमार दास (55) का किसी महिला से अवैध संबंध था। राज कुमार घर महिला के साथ था। बेटे और पत्नी ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। कहासुनी के बाद राज कुमार की हत्या कर दी। 14 मई को राजकुमार के छोटे बेटे अजीत दास की शादी तय है। इसी वजह से सोमवार की रात पूरा परिवार गांव आया था, पर घर में घुसते ही पिता का अवैध संबंध का खुलासा हो गया। घटना अतरी थाना इलाके के मफा टांड़ गांव की है।

पुलिस के आने से पहले आरोपी फरार हो गए

हत्या मंगलवार की सुबह में हुई है। घर में काफी शोर हो रहा था। आसपास के लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। इस बात की भनक आरोपियों को लग चुकी थी। पुलिस आती उससे पहले ही सभी फरार हो गए। राज कुमार की लाश घर में पड़ी हुई थी। मौके पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार मौके पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया भेजा दिया गया। घटना के 2 घंटे के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अतरी थाना में केस दर्ज कराया गया है। एसपी आनंद कुमार ने एसडीपीओ नीमचक बथानी के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बनाई। टीम में खिजरसराय के अंचल

17 साल से अकेला रह रहा था राजकुमार

बताया जा रहा कि राजकुमार 17 पहले दिल्ली में रहता था। उसके बाद से वो गांव में अकेले ही रहता था। पिछले 5 महीने से राजकुमार का अवैध संबंध चल रहा था। राजकुमार की पत्नी नीरा देवी (52), तीन बेटे सुबोध दास (35), सुधीर दास (32) और अजित दास दिल्ली में ही रहते थे। सुबोध बड़ा बेटा था और दूसरे नंबर पर सुधार दास था। दोनों की शादी हो चुकी है। वारदात के वक्त दोनों बेटों की पत्नियां भी थी। जो वारदात के बाद से फरार हैं। इसके अलावा छोटा बेटा अजीत फरार बताया जा रहा।

निरीक्षक, अतरी थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। एफएसएल और टेक्निकल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। एसडीपीओ प्रकाश कुमार ने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण किया। तुरंत टीम को गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

सीवान में दरोगा रिश्वत लेते गिरफ्तार :वाशिंग मशीन और 20 हजार रुपए लेते पकड़ा

सीवान, एजेंसी। सीवान में निगरानी विभाग ने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मिथिलेश कुमार नगर थाना क्षेत्र के अस्पताल रोड पर असाव थाने में बतौर एसआई पदस्थापित है।

उसे एक वाशिंग मशीन और 20,000 रुपए नकद लेते पकड़ा गया। निगरानी विभाग के डीएसपी राजन कुमार सिंह के अनुसार, ससराव गांव के चंदन कुमार यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि पारिवारिक जमीन विवाद में उन्हें और उनके परिवार को झूठे केस में फंसाया गया था।

संक्षिप्त समाचार

सुगौली रेल पुलिस का अजीब कारनामा,बरामद 24 किलो चरस,कोर्ट में निकला ईट पत्थर

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के सुगौली रेल थाना पुलिस की कारगुजारी सबको चौंकने पर मजबूर कर दिया है।दरअसल 5 मार्च को रेल पुलिस द्वारा जब्त किये गये 24.390 किलोग्राम चरस की जब कोर्ट में सीलबंद पैकेट को खोला गया,तो उसमे ईंट और पत्थर निकला है। लिहाजा कोर्ट भी चौकने को विवश हो गया। बीते 5 मार्च को सुगौली स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक से सुगौली रेल थाना पुलिस ने तीन लावारिस पिठ्ठु बैग बरामद किया था। जिसमे चरस भरा था।इसकी सूचना पर मौके पर पहुंचे सुगौली अंचलाधिकारी कुन्दन कुमार की मौजूदगी में उक्त बरामद चरस का वजन करने के बाद उसे सीलबंद किया गया और सुगौली रेल पुलिस को सौप दिया गया।हालांकि जब इन पैकेटो को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया और सीलबंद पैकेट खोला गया, तो अंदर नशीले पदार्थ चरस की जगह ईंट और पत्थर निकले है। कोर्ट में इस खुलासे के बाद रेल पुलिस महकमा में हड़कंप मचा हुआ है।मुजफ्फरपुर रेल एसपी वीणा कुमारी ने बताया कि इस गंभीर चूक को लेकर जिला पुलिस,आरपीएफ व राजकीय रेल पुलिस की उच्चस्तरीय संयुक्त टीम गठित की गई है।जो इस मामले की जांच शुरू कर दी है।रेल पुलिस कर्मियों से पूछताछ की गई है। हेराफेरी किस स्तर पर और कैसे की गई। इसका जल्द ही खुलासा कर लिया जायेगा।

कारगिल में ड्यूटी पर तैनात नवादा के मनीष कुमार शहीद

बीएनएम। नवादा। बिहार के नवादा जिले के रूपौ थाना अंतर्गत पाण्डेयगंगौट गांव निवासी अशोक राम के पुत्र व भारतीय सेना के जवान मनीष कुमार ड्यूटी के दौरान बुधवार को शहीद हो गए। वे लगभग 22 वर्ष के थे। उनके निधन की दुःखद खबर के बाद उनके गांव एवं प्रखण्ड में गहरा शोक है। शहीद जवान मनीष कुमार के पिता अशोक राम,माता सुशीला देवी,पत्नी सहित अन्य परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। हालांकि उन्हें अपने बेटे पर गर्व भी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक मनीष कुमार जम्मू कश्मीर के कारगिल में पदस्थापित थे एवं ड्यूटी के दौरान ही बुधवार को उनकी मौत हो गई। फिलहाल उनके निधन के ठोस कारणों का पता नही चल पा रहा है। घटना की सूचना ड्यूटी स्थल से मृतक के घरवालों को फोन के माध्यम से प्राप्त हुई,जिसके बाद इलाके में सूचना मिलते ही माहौल गमगीन हो गया।

दो बड़े भाई भी है देश की सेवा में- ग्रामीणों के अनुसार शहीद मनीष चार भाई हैं,जिसमें इनके अलावे बड़े भाई पिंटू कुमार गया में , मंझले भाई राजीव कुमार उत्तराखंड में सेना में ही तैनात हैं। शहीद मनीष की शादी 06 मार्च को नवादा के धुर्रहार,सिसवां में हुई थी। मुखिया दीपक कुमार ने कहा कि शहीद जवान मनीष कुमार काफी मिलनसार एवं हँसमुख स्वभाव का व्यक्ति था। उसके शहादत पर हम सभी को गर्व है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार फिलहाल जवान के पार्थिव शरीर को वहां पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। शहीद जवान मनीष कुमार का पार्थिवशरीर गुरूवार को गांव आने की सम्भावना है।

नालंदा के बीएसएफ जवान सिकंदर राउत कुपवाड़ा में पाकिस्तान की गोलीबारी में शहीद

बीएनएम। पटना। बिहार के नालंदा जिले के उतरथु गांव निवासी बीएसएफ जवान सिकंदर राउत जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा सेक्टर में पाकिस्तान की गोलीबारी में शहीद हो गए। इस खबर से पूरे गांव में मातम छा गया। सिकंदर राउत कुछ महीने पहले तक झारखंड के रांची में पदस्थापित थे। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए उन्हें कुपवाड़ा बुलाया गया। वहां तैनाती के दौरान एक आतंकी मुठभेड़ में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई और देश ने एक और जांबाज सपूत को खो दिया। सिकंदर राउत के शहादत की खबर उनकी पत्नी को मोबाइल फोन पर एसएमएस के जरिए मिली। शहीद सिकंदर राउत के चचेरे भाई रामरतन राउत ने बताया कि सिकंदर को कुछ महीने पहले ही रांची से कुपवाड़ा भेजा गया था। वे हमेशा देश सेवा के लिए तत्पर रहते थे लेकिन इस बार उनकी वापसी शव के रूप में हो रही है। पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने कहा कि अभी तक बीएसएफ या किसी वरीय अधिकारी से इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। बिंद थानाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह ने भी कहा कि विभागीय स्तर पर उन्हें कोई सूचना नहीं मिली है, लेकिन ग्रामीणों ने सूचना दी है कि सिकंदर राउत शहीद हो गए हैं। सिकंदर राउत दो भाइयों में छोटे थे और अपने पूरे परिवार के लाडले थे। उनकी 10 साल पहले शादी हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। एक बेटा 8 साल और दूसरा 4 साल का है। सिकंदर राउत का पार्थिव शरीर 15 मई को गांव लाया जाएगा, जहां उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। स्थानीय प्रशासन और सेना के अधिकारी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने सत्याग्रह एक्सप्रेस से चार नेपाली नाबालिग लड़कियों का किया रेस्क्यू

मानव तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

एसएसबी की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण, रेलवे चाइल्ड लाइन रक्सौल, रेलवे सुरक्षा बल रक्सौल और राजकीय रेल पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार चलाये गये संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन में मानव तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए रक्सौल रेलवे स्टेशन से सत्याग्रह एक्सप्रेस से चार नेपाली नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया है। इस दौरान एक आरोपी मानव तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है।मिली जानकारी के अनुसार सूचना के आलोक में टीम ने सत्याग्रह एक्सप्रेस की सभी बोगियों की गहन जांच की और कोच संख्या एस-07 से चार लड़कियों एवं एक व्यक्ति को हिरासत में लिया।

पूछताछ और काउंसलिंग के दौरान यह खुलासा हुआ कि आरोपी मोहम्मद सिराज मियां (काल्पनिक नाम), निवासी थाना-वीरता बड़ा, जिला पर्सा, नेपाल, ने इन नाबालिग लड़कियों को अच्छी नौकरी और पैसा कमाने का झांसा देकर नेपाल से गोरखपुर, उत्तर प्रदेश ले जाने की योजना बनाई थी। पीड़ित लड़कियों की उम्र 13 से 17 वर्ष के बीच है, और ये सभी नेपाल की रहने वाली हैं। आरोपी ने सभी के अलग-अलग टिकट बनवाकर संदेह से बचने की कोशिश की थी और लड़कियों का पूरा खर्च स्वयं उठाने की बात कही थी। सभी लड़कियां गरीबी और लालच में आकर उसके साथ जाने को तैयार हो गई थीं। बचाई गई लड़कियों और आरोपी को अग्रतर कार्रवाई के लिए जीआरपी रक्सौल को सौंपा गया। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर के सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार शर्मा ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। सीडब्ल्यूसी मोतिहारी के निर्देश पर चारों नाबालिग लड़कियों को बालिका गृह मोतिहारी में रखा जायेगा। रेस्क्यू ऑपरेशन में मानव तस्करी रोधी इकाई 47 वाहिनी एसएसबी से इंस्पेक्टर विकास कुमार, हवलदार अरविंद द्विवेदी , प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण की आरती कुमारी, विजय कुमार शर्मा एवं राज गुप्ता(सामाजिक कार्यकर्ता), राजकीय रेल थाना से प्रभारी पवन कुमार एवं रेलवे सुरक्षा रक्सौल से उप -निरीक्षक संतोष मिश्रा, सिपाही विनोद पासवान एवं रेलवे चाइल्ड हेल्प लाइन से चांदनी कुमारी , प्रवीन कुमार शामिल थे।

जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में खाद की कमी व कालाबाजारी है चिंता का विषय- ममता राय

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित राधाकृष्ण भवन में संबंधित विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक बुधवार को संपन्न हुई। उक्त बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय ने जिले में खाद की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और कालाबाजारी की समस्याओं पर गंभीर चर्चा की। जीप अध्यक्ष ममता राय ने कहा कि जिले में खाद की उपलब्धता अत्यंत ही कम है, जिससे किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कहा कि किसानों के लिए आवश्यक मात्रा में खाद शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने खाद की कालाबाजारी पर भी गहरी चिंता व्यक्त की और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता जताई। जीप अध्यक्ष श्रीमती राय ने कहा कि खाद और बीज समय पर किसानों तक पहुंचाना अत्यंत जरूरी है, ताकि किसान कृषि कार्यों को समय से पूरा कर सकें और उत्पादन पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वितरण व्यवस्था पारदर्शी और जवाबदेह होनी चाहिए, जिससे किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता न हो। जिले में खाद की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की जाए और कालाबाजारी पर रोक लगाने हेतु निगरानी बढ़ाई जाने की आवश्यकता है।

स्टार्टअप जागरूकता एवं विकास को लेकर एलएनडी कॉलेज और मोतिहारी अभियंत्रण महाविद्यालय में करार

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज और मोतिहारी अभियंत्रण महाविद्यालय के बीच स्टार्टअप योजनाओं से संबंधित एक समझौता हुआ। जिला उद्यम संयोजक डॉ. नवीन कुमार की उपस्थिति में एलएनडी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा तथा मोतिहारी अभियंत्रण महाविद्यालय के स्टार्ट अप प्रभारी प्राध्यापक प्रो. चंद्रशेखर सिंह चंदेल ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर प्रपत्र का आदान प्रदान किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने बताया कि स्टार्ट अप से जुड़े योजनाओं से संबंधित जानकारी के आदान-प्रदान में दोनों महाविद्यालय एक-दूसरे की मदद करेंगे साथ ही साथ सेमिनार, कार्यशाला एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से व्यावसायिक क्षमता के विकास में भी सहयोग करेंगे। प्रो. चंद्रशेखर सिंह चंदेल ने बताया कि इस एमओयू के द्वारा दोनों महाविद्यालय के स्टार्ट अप के इच्छुक छात्र/छात्राओं को औद्योगिक विशेषज्ञों, सफल उद्यमियों तथा निवेशकों से जोड़कर आवश्यक संसाधन मुहैया कराया जाएगा। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि दोनों महाविद्यालय में बीच हुए इस समझौते से विद्यार्थियों में काफी उत्साह है और छात्राओं का रुझान स्टार्ट अप की ओर तेजी से बढ़ेगा। मौके पर इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, प्रो. दुर्बादल भट्टाचार्य, डॉ. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रो. अरविंद कुमार, प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. संतोष विश्नोई, डॉ. रवि रंजन सिंह, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. बबीता कुमारी, प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार सहित सभी कर्मियों ने हर्ष व्यक्त किया।

मेहसी में बीएलओ का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। मेहसी/मोतिहारी

प्रशिक्षकों ने कहा, मतदाता सूची में नाम जोड़ने व हटाने में बरतें पूरी सतर्कता

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में बुधवार को मेहसी प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में एक दिवसीय बूथ लेवल पदाधिकारियों (बीएलओ) का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सूरज कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रशिक्षण के शुभारंभ पर बीडीओ श्री सिंह ने बीएलओ की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि, "चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बीएलओ के कार्यों पर काफी हद तक निर्भर करती है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के दौरान उन्हें पूरी जिम्मेदारी और निष्पक्षता से कार्य करना चाहिए।" प्रशिक्षण का नेतृत्व मुख्य प्रशिक्षक तारकेश्वर दुबे ने किया, जबकि उनके सहयोगी प्रशिक्षक सुशील कुमार मिश्रा और रंजीत कुमार श्रीवास्तव ने भी विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में बीएलओ को चुनाव से संबंधित विभिन्न फॉर्मों को भरने की विधि, आवश्यक दस्तावेजों की सूची, और फील्ड वेरिफिकेशन की प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते हैं, वैसे-वैसे बीएलओ पर राजनीतिक दलों का दबाव बढ़ता है। कई बार गलत नाम जोड़ने या सही नाम हटाने के लिए दबाव डाला जाता है, जिससे बीएलओ को सावधान रहने की आवश्यकता है। प्रशिक्षण में यह विशेष रूप से बताया गया कि किसी भी परिस्थिति में बीएलओ को नियमों का पालन करते हुए निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए। प्रशिक्षण के अंतिम चरण में प्रतिभागियों का मूल्यांकन भी किया गया, जिसमें उनकी समझ और तैयारियों की जांच की गई। बीडीओ श्री सिंह ने सभी बीएलओ से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में समय पर कार्य करें और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए मतदाता सूची को अद्यतन करें। इस मौके पर प्रखंड के प्रधान सहायक संजय कुमार, मुख्य प्रशिक्षक तारकेश्वर दुबे, सुशील कुमार मिश्रा एवं रंजीत कुमार श्रीवास्तव सहित बूथ संख्या 161 से 200 के बीएलओ शामिल हुए।

फारबिसगंज नगर परिषद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने सूरज कुमार सोनू और सचिव आर्यन कुमार राय

बीएनएम। अररिया

फारबिसगंज नगर परिषद परिसर में नगर परिषद कर्मचारी संघ की बैठक तत्कालीन अध्यक्ष कृष्णानंद मंडल की अध्यक्षता में बुधवार को हुई।जिसमें नई कमिटी का गठन किया गया।बिहार लोकल बॉडीज इम्प्लाइज फेडरेशन से सम्बद्ध फारबिसगंज नगर परिषद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष के रूप में सूरज कुमार सोनू का चयन किया गया।वहीं उपाध्यक्ष के रूप में विनय कुमार सिन्हा,गुलाम मुस्तफा,सचिव पद के लिए आर्यन कुमार राय,उप सचिव पद के लिए अमित कुमार,कोषाध्यक्ष पद पर संजय मरीक और संगठन मंत्री के रूप में भीम मरीक का मनोनयन ध्वनिमत से किया गया।इसके अलावे 26 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का भी गठन किया गया है। मौके पर नव मनोनीत अध्यक्ष सूरज कुमार सोनू ने बताया कि नगर परिषद के कर्मचारियों के हक हकूक के लिए वे सदैव संघर्षशील रहेंगे।उन्होंने आगामी 21 मई को नई कमिटी की बैठक बुलाए जाने की बात करते हुए कहा कि उस बैठक में नगर परिषद के कर्मचारियों के मान सम्मान और पुराने मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

शहर में स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम की स्थापना कार्य प्रगति पर – महापौर प्रीति कुमारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

नगर निगम द्वारा शहरवासियों को बेहतर यातायात सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। महापौर प्रीति कुमारी के मार्गदर्शन और पहल पर नगर निगम क्षेत्र के आठ प्रमुख चौराहों पर स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल लाइट सिस्टम की स्थापना कार्य तीव्र गति से जारी है। इस परियोजना के तहत जिन स्थानों का चयन किया गया है, उनमें देवराहा बाबा मन्दिर चौक, गांधी चौक, सदर अस्पताल चौक, गायत्री मंदिर के पास, छतौनी चौक, जानपुल चौक, कचहरी चौक तथा बरियारपुर चौक शामिल हैं। इन स्थानों पर ट्रैफिक लाइट सिस्टम के माध्यम से यातायात को नियंत्रित करने और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। नगर निगम द्वारा नगर क्षेत्र के महत्वपूर्ण चौक-चौराहों पर प्रथम चरण में कचहरी चौक, सदर अस्पताल, गायत्री मन्दिर, जानपुल चौक, देवराहा बाबा मन्दिर के समीप, स्मार्ट सिग्नल लाइट सिस्टम का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। यह आधुनिक ट्रैफिक व्यवस्थापन शहर की बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए एक आवश्यक कदम है, जिससे यातायात संचालन में सुगमता आएगी और नागरिकों को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। इसी कड़ी में बुधवार को महापौर प्रीति कुमारी ने शहर के कचहरी चौक पर ट्रैफिक लाइट सिस्टम का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी चौराहों पर जेब्रा क्रॉसिंग चिन्हांकन, यातायात संकेतक बोर्ड और आवश्यक सुरक्षा चिन्हों की स्थापना शीघ्र सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि यातायात नियमों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने हेतु नगर निगम द्वारा ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से विशेष अभियान चलाया जाएगा। महापौर ने आगे कहा कि नगर निगम का प्रयास है कि मोतिहारी शहर को एक स्मार्ट, सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था से सुसज्जित किया जाए, ताकि नागरिकों को सुगमता और सुविधा मिले। आने वाले समय में ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु तकनीकी संसाधनों का विस्तार किया जाएगा। नगर निगम मोतिहारी, ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और निकट भविष्य में अन्य महत्वपूर्ण चौराहों को भी इस प्रणाली से जोड़ने की योजना पर विचार किया जा रहा है।

गर्म हवाओं से रहें सावधान, लू लगने से बढ़ सकती है परेशानी- सीएस

» लू के लक्षण दिखे तो चिकित्सक से तुरंत सलाह लें

पर्याप्त मात्रा में पानी एवं मौसमी फलों का सेवन करना है अधिक लाभप्रद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में बढ़ते तापमान के साथ गर्म हवाओं का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। जिसके कारण लू लगने की संभावनाएं बढ़ जाती है। ऐसे में शरीर को सुरक्षित एवं अनुकूल करने के लिए खान-पान के साथ दैनिक दिनचर्या में बदलाव करना जरुरी है। साथ ही नवजात शिशुओं एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण पर ध्यान रखना बेहद जरूरी है ये कहना है जिले के सिविल सर्जन डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव का। उन्होंने बताया की छह माह तक के शिशुओं के लिए सिर्फ स्तनपान ही लाभकारी होता है।वहीं अन्य लोगों को गर्म हवाओं,लू से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी एवं मौसमी फलों का सेवन करना चाहिए। गर्मी के कारण स्तनपान के साथ किसी भी प्रकार का तरल पेय पदार्थ या पानी बच्चों को नहीं देना चाहिए। गर्मी के मौसम में अधिक से अधिक बार स्तनपान कराकर गर्मी के कारण होने वाली विभिन्न समस्याओं से बच्चों को सुरक्षित किया जा सकता है। साथ ही गर्भवती महिलाओं को गर्मी के मौसम में लू से बचने के लिए पोषक तत्वों के सेवन के अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी एवं मौसमी फलों का सेवन जरुर करना चाहिए।लू के लक्षण दिखे तो चिकित्सक से तुरंत सलाह लेना चाहिए।वहीं महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ राहुल राज ने बताया की गर्मी के बढ़ने से शरीर से पसीना गिरना शुरू होता है, जिससे शरीर में पानी की मात्रा में कमी आती है। इसलिए इस मौसम में पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना फायदेमंद है। इसके साथ ही रसेदार मौसमी फलों का सेवन भी शरीर में पानी की मात्रा को संतुलित करने में सहायक होता है। गर्मी से बचाव के लिए खाली पेट घर से बाहर नहीं निकलें।सुपाच्य एवं हल्के भोजन का सेवन करें,अत्यधिक शीतल पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, रात्रि में देर रात तक नहीं जागें एवं कम से कम आठ घंटे की नींद जरुर लें।दोपहर में घर से निकलने से बचना चाहिए या अधिक धूप की स्थिति में छाता का उपयोग करना चाहिए।प्राथमिक उपचार के तौर पर लू लगने पर ओआरएस का घोल पीना चाहिए ताकि डायरिया से बचा जा सके। इसके इलाज के लिए जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

लू लगने के लक्षण-

- सिर में तेज दर्द होना
- उल्टी या जी मचलना
- बुखार का होना
- त्वचा का लाल, गर्म एवं सूखा होना, पसीना नहीं चलना
- बेहोशी या चक्कर आना
- घबराहट का बढ़ जाना
- अत्यधिक आलस्य या सुस्ती का होना

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने दो शराबियों को किया गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। पुलिस ने दो शराबियों को गिरफ्तार किया है। एक शराबी अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। जबकि दूसरा शराबी अपने भाई से मारपीट किया। गिरफ्तार शराबी टिकैता बभनौलिया का पप्पू भगत और जयसिंहपुर बन्दराहा का विजय साह है। बताया जाता है कि आरोपी पप्पू भगत शराब पीकर अपने भाई से मारपीट कर रहा था। जिसकी सूचना पुलिस को दिया। पुलिस मौके पर पहूंच उसे पकड़ लिया। उसके मुंह से शराब पीने की गंध आ रहा था। ब्रेथ एनालाइजर से जांच किया तो शराब पीने की पुष्टि हुई। पीड़ित भाई के आवेदन पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया। जबकि दूसरी घटना के आरोपी विजय साह अपनी पत्नी के साथ शराब के नशे में मारपीट कर रहा था। वह हमेशा ऐसा करता था। जिससे अजीज होकर पत्नी ने पुलिस के पास फोन कर पकड़वाया। साथ ही आवेदन भी दी। जिसपर पुलिस ने कार्रवाई की। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

95 प्रतिशत अंक लाने पर छात्र निखिल तिवारी सम्मानित

बीएनएम। बगहाः बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य पं०भरत उपाध्याय ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के दशम वर्ग में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर अपने दौहित्र निखिल कुमार तिवारी का सम्मान किया है। कहा कि शिक्षा , संस्कार से प्राप्त होती है। विद्या ददाति विनयम। जिंदगी में विद्या सीखने का प्रयत्न करते रहना चाहिए। विद्या से सुख मिलता है, यश और अतुलित कीर्ति प्राप्त होती है। विद्यार्थी को विद्या पहले तो, दुख का मूल जान पड़ती है किंतु पीछे वह बड़ी सुखदायनी होती है। आप सदा इसी तरह से अपनी मेहनत और लगन से यशस्वी बने। इससे घर परिवार और समाज के लोग प्रेरणा लेंगे ।निखिल कुमार की इस उपलब्धि पर मनंजय कुमार तिवारी, सोनू कुमार तिवारी, दिनेश कुमार गुप्ता ,आचार्य नीरज त्रिपाठी सहित सैकड़ो लोगों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

छापेमारी में 247 लीटर शराब बरामद, धंधेबाज गिरफ्तार

बीएनएम। बगहाः बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित भितहा थाना पुलिस ने बुधवार की अहले सुबह छापेमारी अभियान चला कर 247 लीटर अंग्रेजी व देशी शराब बरामद की है। भितहा थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सुचना के आधार पर जमुनिया पंचायत सरकार भवन नदी के किनारे छपामारी के क्रम में 576 पीस एटपीएम फ्रूटी पैक मात्रा 103.68 लीटर एवं 720 पीस बंटी बबली देशी शराब मात्रा 144 लीटर कुल बरामद शराब की मात्रा 247.68 लीटर शराब बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान छापेमारी में सुदामा यादव पिता राधाकृष्ण यादव ग्राम छोटकी रूपही, वीरेंद्र गुप्ता पिता छट्ठू गुप्ता, नंदकिशोर कुर्मी पिता जगदीश कुर्मी दोनों ग्राम रूपही टांड तीनो थाना भितहा को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस संबंध में गिरफ्तार तीनों धंधेबाजों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा गया।

श्री राधे कृष्ण के जयकारों से वातावरण हुआ गुंजायमान

बीएनएम। बगहाः प्रखंड की लगुनाहा - चौतरवा पंचायत के लगूनहा गांव स्थित श्री श्री एक हजार आठ श्री खाकी बाबा मंदिर प्रांगण में नवनिर्मित राधे -कृष्ण मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह बुधवार को संपन्न हुई।श्री खाकी बाबा मंदिर पूजा सेवा समिति के तत्वधान में इस मंदिर का निर्माण करवाया गया । प्राण प्रतिष्ठा विधि के दौरान राधे -कृष्ण की मूर्ति को अनाधिवास से जलाधिवास कराया गया। स्नान के बाद मुख्य यजमान कुशवहा कांत सोनी और उनकी पत्नी ने आचार्यों के मंत्रोच्चार के साथ पैर पूजन किया। सैकड़ों भक्तों ने 'राधे राधे',हरे कृष्ण' और 'जय श्री राधे' के जयकारों के पूरा वातावरण मंत्र मुग्ध हो गया। आचार्य डॉ सुबोध मणि त्रिपाठी जी महाराज ने विधिवत पूजन और मंत्रोच्चार के साथ मंदिर में राधा-कृष्ण की मूर्ति स्थापना संपन्न कराई। इस अवसर पर पूर्व मुखिया सह खाकी बाबा मंदिर के व्यवस्थापक सुनील कुमार, मैनेजर प्रसाद, विशाल कुमार जयसवाल, प्रिंस कुमार समेत सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु महिला और पुरुष शामिल रहे।

सास- बहु के साथ की गई मारपीट

बीएनएम। जमुई/ झाझा। थानाक्षेत्र के महापुर गांव में घर के पास रास्ता के विवाद को लेकर सास- बहु के साथ उसके रिश्तेदारों द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल की पहचान सुनीता देवी और उसकी सास सोहागा देवी के रूप में हुई है। घायल सास- बहु इलाज हेतु रेफरल अस्पताल पहुंची जहां घायलों का इलाज किया गया। मारपीट के सन्दर्भ में घायल सुनीता देवी के पति छब्बू यादव ने बताया कि मैं अपने घर पर नही था तभी रास्ता के विवाद को लेकर मेरे चाचा अर्जुन यादव मेरी मां और पत्नी के साथ झगड़ा करते हुए वे और उसके घर वाले लाठी से मारपीट करने लगा।

12 वीं परीक्षा में एक विषय मे कम अंक मिलने पर छात्रा ने दे दी जान

बीएनएम। जमुई/झाझा। सीबीएसई बोर्ड की 12 वीं परीक्षा में एक विषय मे कम अंक मिलने के बाद परीक्षा में सफल नही होने पर छात्रा ने खुदखुशी कर लेने का मामला सामने आया। घटना नगरक्षेत्र के पिपराडीह मुहल्ले की है। मृतिका की पहचान संतोष कुमार की पुत्री साक्षी कुमारी (17वर्ष) के रूप में हुई। स्थानीय निजी स्कूल से 12वीं की परीक्षा देने के बाद वह टाटा में आगे की पढ़ाई की तैयारी कर रही थी। बताया जाता है कि वह मंगलवार को अपने घर आई थी जिसके बाद रिजल्ट आने पर वह परीक्षा में सफल नही हुई जिसके बाद वे अपनी पढ़ाई को लेकर चिंता करने लगी और रात्रि में अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इधर सुबह जब परिजन उसे उठाने के लिए गया तो कमरा खटखटाने के बाद कमरा साक्षी के द्वारा नही खोला गया तो परिवार वालो ने किसी तरह कमरा खोलकर अंदर प्रवेश किया तो छात्रा फंदा से झूलती मिली। परिजनों के रोने की आवाज सुनकर जब आसपास के लोग जुटे तो मामला सामने आया। वही पुलिस को परिजनों ने इस संदर्भ में थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि पुलिस को किसी भी तरह की कोई सूचना नही दिया गया।

परीक्षा में शानदार प्रदर्शन, यश रहा अव्वल

बीएनएम। जमुई/ झाझा। कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में झाझा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया है। इस वर्ष के परीक्षा परिणामों में छात्र-छात्राओं ने न केवल श्रेष्ठ अंक प्राप्त किए, बल्कि अनुशासन, मेहनत और समर्पण का अद्भुत उदाहरण भी प्रस्तुत किया। इस गौरवमयी उपलब्धि में यश ने अव्वल स्थान प्राप्त करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। उसके बाद आर्यन ने दूसरा और कशिश ने तीसरा स्थान प्राप्त कर स्कूल की प्रतिभा और शिक्षण व्यवस्था को मजबूती से साबित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगणों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। साथ ही, अभिभावकों ने भी बच्चों की मेहनत और स्कूल के प्रयासों की सराहना की। स्कूल निदेशक डॉ. सुरेन्द्र निराला ने सभी सफल विद्यार्थियों को मिठाईयां खिला कर भविष्य निर्माण के लिए आशीर्वाद देते हुए कहा यह सफलता न केवल स्कूल के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। साथ सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा अब आप स्कूल यूनिफार्म अगले 5 वर्षों बाद सफलता की ऊंचाई पर चढ़ कर पहनेंगे उस दिन हमें वास्तविक गुरु दक्षिणा प्राप्त होगा।

रजला में नल-जल योजना ठप, ग्रामीणों को भीषण जल संकट

» मोटर खराब, पाइपलाइन क्षतिग्रस्त

बीएनएम। जमुई/झाझा

जमुई में बंद पड़ी जलमिनार

प्रखंड की रजला-कला पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-9 में वर्षों पूर्व प्रारंभ की गई नल-जल योजना वर्तमान में पूर्णतः ठप पड़ी है। ग्रामीणों का कहना है कि मोटर के खराब हो जाने और पाइपलाइन में कई स्थानों पर रिसाव के कारण जलापूर्ति पूरी तरह बाधित हो चुकी है। परिणामस्वरूप ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों को पीने के पानी हेतु गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता कार्तिक कुसुम ने प्रशासन पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए कहा, "यह केवल जल संकट नहीं, बल्कि आमजन के सम्मान, स्वास्थ्य और उनके मूलभूत अधिकारों से जुड़ा विषय है। रजला पंचायत के लोग लगातार उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। प्रशासन को चाहिए कि त्वरित हस्तक्षेप कर नल-जल योजना की मरम्मत सुनिश्चित करे तथा शीघ्र जलापूर्ति बहाल करे।" गौरतलब है कि भीषण गर्मी के इस मौसम में जल संकट और भी विकराल रूप धारण कर चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को इसकी शिकायत की, किंतु अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इस मुद्दे को लेकर ग्रामीण मुरारी कुमार यादव, लटलू पंडित, मुनेश्वर यादव, सुरेश पंडित एवं विकास कुमार ने संयुक्त रूप से जिलाधिकारी, जमुई को पत्राचार कर अविलंब मरम्मत कार्य प्रारंभ कराने की मांग की है। ग्रामीणों को है कि जिला प्रशासन इस बार संवेदनशीलता का परिचय देगा तथा वर्षों से ठप पड़ी इस योजना को पुनः चालू कर, आमजन को जल संकट से राहत प्रदान करेगा।

गृहरक्षक भर्तीः दौड़ में 4317 सफल, 3761 पहुंचे मेधा सूची की दौड़ में

बीएनएम। लखीसराय

गृहरक्षक भर्ती को लेकर चल रही चयन प्रक्रिया अब अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है। बुधवार को महिला अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 1053 महिला अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किया गया था। इनमें से 797 महिला उम्मीदवार शामिल हुईं, जबकि 800 मीटर दौड़ में 755 सफल रहीं। इसके बाद ऊंचाई माप में 125 महिला अभ्यर्थी मानक पर खरी नहीं उतर पाईं। ऊंची कूद, लंबी कूद और गोला फेंक की परीक्षा में सफल 630 महिला अभ्यर्थियों को मेधा सूची के लिए योग्य माना गया है। 30 अप्रैल से शुरू हुई परीक्षा में अब तक कुल 12328 उम्मीदवारों ने आवेदन किया, जिनमें 8928 ने भाग लिया। दौड़ में 4317 सफल हुए, लेकिन ऊंचाई और सीना माप में 556 उम्मीदवार अयोग्य पाए गए। अब तक कुल 3761 उम्मीदवारों को मेधा सूची के लिए उपयुक्त घोषित किया गया है। आगे की प्रक्रिया 30 मई से शुरू होगी।3761 पहुंचे मेधा सूची की दौड़ में।

महिला संवाद कार्यक्रम में किया गया महिलाओं को जागरूक

बीएनएम। लखीसराय

महिला संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महिलाए

जिले के कछीयाना पंचायत अंतर्गत दोगाय गांव में बुधवार को महिला संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें महिला एवं बाल विकास निगम के प्रतिनिधि के रूप में जिला मिशन समन्वयक प्रशांत कुमार ने महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दिया। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि महिला के सुरक्षा संरक्षा व सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए जिला महिला सशक्तिकरण हब स्थापित है जहां से महिला व किशोरी को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दिया जा सकता है। बाल विवाह से होने वाले दुष्प्रभाव व कानूनी करवाई के बारे में भी जानकारी दिया। साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वीमेन के बारे में सम्बंधित शिकायत या किसी भी योजना की जानकारी के लिए इस हेल्पलाइन नंबर का उपयोग किया जा सकता है। बाल विवाह से होने वाले दुष्प्रभाव व कानूनी करवाई के बारे में भी जानकारी दिया। साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वीमेन के बारे में भी जानकारी दिए।मौके पर जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक प्रभात कुमार, एरिया समन्वयक संजय कुमार, सामुदायिक समन्वयक दीहुती,नेहा कुमारी,केस वर्कर निभा कुमारी, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ अमित कुमार सहित कई अन्य जीविका के कर्मी व दर्जनों जीविका दीदी मौजूद रहे।

कनिमोह की पिंकी बनी सिपाही

» बीपीएससी परीक्षा पास कर बनना चाहती है डीएसपी

बीएनएम। लखीसराय

नक्सल और जंगली इलाके कनिमोह गांव की रहने वाली आदिवासी समुदाय की बेटी पिंकी कुमारी ने केंद्रीय चयन पर्षद की सिपाही भर्ती परीक्षा में सफलता पाई है। पिंकी की पहली पोस्टिंग रोहतास जिले के डेहरी में हुई है। सफलता के बाद इलाके में खुशी का माहौल है। जहां पहले नकसलियों की बंदूकें गरजती थी,आदिवासी समुदाय की बेटियां स्कूल नहीं जाती थी वहां से निकलकर पिंकी ने कामयाबी हासिल की है। उनका हौसला यहीं खत्म नहीं हुआ है। पिंकी ने कहा कि वह आगे पढ़ाई कर बीपीएससी की परीक्षा पास कर डीएसपी बनना चाहती है।आदिवासी समाज की पहली लड़की है जिसने केंद्रीय चयन पार्षद की परीक्षा पासकर सिपाही बनी है।

पिता करते हैं मजदूरी

पिंकी कजरा थाना क्षेत्र के कनिमोह गांव की रहने वाली है। उसके पिता सीताराम कोड़ा मजदूरी करते हैं। मां सोनिया देवी गृहिणी हैं। पिंकी आठ भाई-बहनों में चौथे नंबर पर है। उसकी चारों बहनों चम्पा देवी, लाछो देवी, रविना देवी और अनीता देवी की शादी हो चुकी है। तीनों भाई राजकुमार कोड़ा, सुभाष कोड़ा और कपिलदेव कोड़ा प्रदेश में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उसने 18 अगस्त 2024 को केंद्रीय चयन पर्षद की परीक्षा दी। उसके बाद 14 नवंबर 2024 को रिजल्ट आया तथा 25 फरवरी 2025 को फिजिकल लिया गया उसके बाद 9 में को मेरिट लिस्ट में नाम आते ही परिवार और गांव में जश्न का माहौल बन गया। माता-पिता, भाई-बहनों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई।

पत्रकारिता के इस नए दौर में अब नौतन में होगा निष्पक्ष पत्रकारिता, संगठन है संकल्पित

बीएनएम। नौतन

प्रखंड के चम्पारण विवाह भवन के सभागार में बुधवार को पत्रकारों की एक बैठक संपन्न हुई।बैठक में पुर्व के बने पत्रकार संघ को निरस्त करते हुए नये संघ का गठन किया गया।जहां सर्व सम्मति से संघ के अध्यक्ष पद के लिए पत्रकार सुग्रीव तिवारी का चुनाव किया गया।वहीं उपाध्यक्ष पत्रकार मुकेश यादव सचिव पद पर पत्रकार प्रदीप दूबे,कोषाध्यक्ष के पद पर पत्रकार मदन सिंह,संरक्षण के पद पर राजकुमार पासवान संयोजक के पद पर पत्रकार मोहम्मद मुन्ना और मिडिया प्रभारी पत्रकार अफ़सर खान तथा सदस्य के लिए आकाश कुमार शर्मा का चुनाव किया गया है।बैठक में पत्रकारों ने समाज को नई दिशा और गरीब,कमजोर असहाय वर्ग के हक़ और अधिकार दिलाने का संकल्प लिया ।साथ ही बाहरी पत्रकारों के द्वारा शोषण पर रोक लगाने की रणनीति तैयार की गई।ताकि सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं को बल मिल सके।पत्रकारिता के नाम पर दोहन करने वाले तथाकथित पत्रकार के खिलाफ संघ द्वारा निरंतर संघर्ष करने पर सहमति बनाई गई।

"गैंग्स ऑफ घोटालेबाज": तेजस्वी-लालू पर बीजेपी का सोशल मीडिया हमला, वीडियो वायरल

बीएनएम। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मी के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोशल मीडिया पर हमला तेज करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शीर्ष नेताओं लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को निशाने पर लिया है। भाजपा की बिहार इकाई ने "गैंग्स ऑफ घोटालेबाज" शीर्षक से एक व्यंग्यात्मक वीडियो जारी किया है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।करीब तीन मिनट की इस वीडियो क्लिप में एक तंज भरा गीत चल रहा है, जिसमें लालू और तेजस्वी को क्रमशः चारा घोटाला और जमीन घोटाले से जोड़ा गया है। वीडियो में दोनों नेताओं को भ्रष्टाचार के प्रतीक के रूप में दिखाते हुए भाजपा ने दावा किया है कि राजद परिवार का 'घोटालों से पुराना नाता' है।वीडियो के साथ भाजपा ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर लिखा, "घोटाले के लिए होड़, परिवार है बेजोड़।

चारा घोटाले से लालू जी ने दिखाया रास्ता, जमीन घोटाला तेजस्वी करें, आम जनता की बेहतरी से क्या वास्ता।"भाजपा का यह डिजिटल हमला साफ संकेत देता है कि पार्टी 2025 के चुनाव में भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाने जा रही है। हालांकि राजद की ओर से इस वीडियो पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

जनसंख्या नियंत्रण और डेमोग्राफी पर भाजपा का बयान राजनीतिक एजेंडा: राजद प्रवक्ता

बीएनएम। पटना

राजद प्रवक्ता

भाजपा नेता हरी भूषण उर्फ बचौल ठाकुर के द्वारा जनसंख्या नियंत्रण और डेमोग्राफी को लेकर दिये गये बयान पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने प्रतिक्रिया दी है। एजाज ने कहा कि भाजपा हमेशा चुनावी समय में इस तरह की बयानबाजी करती है, ताकि वह अपनी राजनीति को एक खास दिशा दे सके।उन्होंने सवाल उठाया कि चुनावों के बाद भाजपा के नेताओं का यह ज्ञान कहां चला जाता है और क्यों केवल चुनावों के दौरान ही ऐसे मुद्दे उठाए जाते हैं। एजाज ने आगे कहा कि भाजपा को इस वक्त बिहार और देश की जनता की वास्तविक समस्याओं जैसे बेरोज़गारी, महंगाई, अपराध और भ्रष्टाचार पर ध्यान देना चाहिए, जो आज भी पूरे देश में व्याप्त है।एजाज ने आरोप लगाया कि भाजपा ने बिहार में 20 वर्षों में कोई ठोस विकास कार्य नहीं किया और जनता अब इन मुद्दों पर सवाल उठा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा अब तेजस्वी यादव के बढ़ते समर्थन और विश्वास से बेचैन है, इसलिए वह ऐसे बेतुके बयान दे रही है।आरजेडी प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा जब खुद को जवाब देने में असमर्थ पाती है, तो वह इस तरह के विवादास्पद बयान देती है, जिससे जनता का ध्यान मुख्य मुद्दों से भटक सके। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में भरोसा जताकर आगामी चुनावों में भाजपा को एक करारा जवाब देगी।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

बीएनएम। जमुई/झाझा

» दूसरा युवक गम्भीर रूप से हुआ घायल
» घायल युवक को रेफरल अस्पताल से जमुई किया गया रेफर

बुधवार की सुबह सिमुलतला चन्द्रमंडी के सीमा से सटे घुटारी के पास सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान बांका के सतीघाट गांव के रहने वाले गौरव कुमार के रूप हुई। वही मृत युवक की पहचान सिमुलतला थानाक्षेत्र के नागवे गांव का रहने वाले सोनू कुमार के रूप में हुई। सड़क पर मृत और घायल पड़े युवक पर लोगों की नजर सुबह पड़ा तो लोगों ने तुरन्त सिमुलतला पुलिस को सूचना दी जिसके बाद सिमुलतला पुलिस मौके पर पहुंचकर सबसे पहले घायल युवक को उठाकर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा लाया जहां डॉक्टर ने घायल युवक का इलाज किया लेकिन युवक की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई थी जिसे देखकर डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया। घायल युवक के चाचा ने बताया कि गौरव अपने मामा सोनू के साथ बाइक पर बैठक मंगलवार की रात्रि शादी में शामिल होने के लिए जा रहा था। घायल युवक का इलाज करने वाले डॉक्टर सदाब अहमद ने बताया कि गौरव को पुलिस बेहोशी हालात में लाया जिसकी स्थिति काफी नाजुक प्राथमिक उपचार करने के बाद घायल को बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर किया गया।

प्रभारी मंत्री ने पदाधिकारियों के साथ की समीक्षात्मक बैठक

जनता की सुनीं समस्याएं

बीएनएम। लखीसराय

बुधवार को प्रभारी मंत्री शीला कुमारी मंडल लखीसराय पहुंची। जहां उन्होंने मंत्रणा कक्ष सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति, अंबेडकर समग्र सेवा अभियान, महिला संवाद, 'मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना' तथा 'आपका शहर आपकी बात' कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक से पूर्व मंत्री ने अतिथि गृह में आम लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। नगर परिषद वार्ड संख्या 2 की पार्वती देवी, उप सभापति शंकर राम समेत दर्जनों महिलाओं व पुरुषों ने प्रभारी मंत्री से मिलकर जलजमाव व नाले की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नाला निर्माण नहीं होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। वहीं, हलसी प्रखंड से जनता दल यूनाइटेड के प्रखंड अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ मुन्नी ने चापाकल की मांग को लेकर ज्ञापन दिया। उन्होंने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में 15 से अधिक स्थानों पर पेयजल संकट है, जिसके समाधान के लिए चापाकल की जरूरत है। इसके बाद प्रभारी मंत्री गांधी मैदान पहुंचीं, जहां गृहरक्षक बहाली के लिए महिलाओं की शारीरिक परीक्षा चल रही थी। मंत्री ने वहां उपस्थित अभ्यर्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने पानी, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली और पदाधिकारियों को बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस मौके पर जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

11 दिवसीय रुद्र महायज्ञ को लेकर निकाली कलश शोभायात्रा

बीएनएम। शेखपुरा

चेवड़ा प्रखंड के कपासी गांव में बुधवार को 11 दिवसीय महारुद्र की शुरुआत कलश यात्रा से हो चुकी है. यात्रा में 501 कन्याकुमारी और सुहागवती महिलाओं ने भाग लिया. जय श्री राम के नारों से माहौल भक्ति में हो गया और गाजियाबाद की धुन पर श्रद्धालु नाचते झूमते नजर आए. आचार्य लक्ष्मण दास जी महाराज ने वैदिक मित्रों के साथ कलश में जल भरवाया. यात्रा कपासी गांव से शुरू होकर करने गांव पहुंचे जहां जल भरने के बाद श्रद्धालु यज्ञ स्थल वापस लौटे. और इसी के साथ विधिवत यज्ञ की शुरुआत हो गई. यज्ञ में 11 यजमान बनाए गए थे. वह सुबह शाम यज्ञशाला में पूजा करेंगे आचार्य लक्ष्मण दास जी महाराज के सानिध्य में 11 कुंडीय यज्ञ संपन्न होगा. यज्ञ के दौरान अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका देवी प्रतिभा जी श्री राम कथा सुनाएंगे. कथा के समापन के बाद रात्रि में रासलीला का आयोजन भी किया जाएगा. वृंदावन की प्रसिद्ध रासलीला संस्था को आमंत्रित किया गया है यज्ञ में रात्रि जागरण और कीर्तन की भी व्यवस्था की गई है विशेष आकर्षण के रूप में झूला और मीना बाजार भी लगाया गया है.

समझौते का उल्लंघन

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के दरम्यान चार दिनों से चले आ रहे संघर्ष के बाद दोनों देशों में सीजफायर की सहमति बनी। हालांकि पाक की तरफ से समझौते का उल्लंघन भी हुआ, परंतु सेना ने मुस्तैदी से उनके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। सेनाधिकारियों के अनुसार, जल, थल व वायु में सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बन गई है, मगर भारत की संप्रभुता को लेकर सेना सतर्क रहेगी। साथ ही पाक के उस दावे का खंडन भी किया गया, जिसमें भारतीय सेना द्वारा मस्जिदों को निशाना बनाने की बात की गई थी। बताया जा रहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर में पड़ोसी मुल्क के चालीस सैनिकों समेत सौ आतंकी मारे गए, जबकि पांच भारतीय सैनिक शहीद हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाक की हर कार्रवाई पर सख्ती से जवाब देने को कहा, वहीं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शांतिपूर्ण वार्ता का मार्ग अपनाने की बात कर रहे हैं। भारत के इस कड़े कदम को आतंकवाद पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। इससे दुनिया के समक्ष संदेश गया, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ भीतर घुसकर कार्रवाई करेगा और देश की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता न करने के प्रति दृढ़ है। मोस्ट वांटेड व खूंखार आतंकियों को मार गिराने के पीछे भारत की मंशा स्पष्ट थी। आंतरिक कलह से जूझ रहे पाक के भीतर आतंकवादियों के प्रति नाराजगी रखने वालों का बड़ा हिस्सा इस सफाये से काफी हद तक संतुष्ट भी बताया जा रहा है। मोदी के नेतृत्व में यह संघर्षविराम अपनी शतरे पर संभव हुआ है। इसीलिए कूटनीतिक निर्णय के आधार पर सिंधु जल समझौते का निलंबन बहरहाल जारी रखने का निर्णय लिया गया है। अटारी-बाघा सीमाएं बंद रहेंगी और पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा पर रोक रहेगी। हालांकि सीमावर्ती इलाकों के वाशिंदे अभी भी हमलों के डर से सुरक्षित स्थानों में शरण लिये हैं। युद्ध समस्या का हल नहीं है। यह हमें रूस-यूक्रेन की तबाही से सबक लेना होगा। बेशक शांतिपूर्ण मार्ग चुनने को विवेकपूर्ण व कूटनीतिक कदम माना जा रहा है।

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों के विनाश और सैकड़ों आतंकियों की अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए। पाकिस्तान की सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी-बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिए हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिए गए होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है। साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की हवा निकाल दी। एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा। पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है। भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए। जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्किये और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए।

अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा। इसमें कोई दोराय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वादा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिए हैं, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है। विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक बात भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया। यह बात जान लीजिए कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान की आतुरता का मुख्य कारण यह था कि उसे लगा कि पहले अपने अस्तित्व को बचाना आवश्यक है। वो उस नीति पर चल रहा था कि बचेंगे, तो भविष्य में लड़ेंगे। तो उसने अपना बचाव कर लिया है। और वह भविष्य में लड़ेगा यह मान कर चलिए। निकट समय में ही आपको किसी ने किसी आतंकवादी घटना का दुखद समाचार सुनने, देखने और पढ़ने को मिलेगा। पाकिस्तान रुकने वाला नहीं है। वास्तव में जिस दिन पाकिस्तान आतंकवाद रोक देगा, उसके अस्तित्व का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और हमारे सैन्य बल पाकिस्तान के चरित्र से परिचित हैं। इसलिए राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में उन्होंने तमाम अहम बातों के अलावा यह भी स्पष्ट कर दिया की ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित ही हुआ है। अर्थात यह कि आतंक के विरुद्ध भारत का एक्शन जारी रहेगा।

सूडोकु नवताल- 7430

मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7429 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

पाकिस्तान में गृह युद्ध के हालात?

सुरेश हिंदुस्तानी

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्रवाई को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है। यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपनों ने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषने वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छुप कर बैठे हैं। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं। पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्रवाई करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है। जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक विद्वेष इतना है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह अपने पूर्ववर्ती सत्ता प्रमुख को ठिकाने लगाने को ही अपना प्रमुख कार्य मानता है। अभी शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने अपने से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया। पाकिस्तान में ऐसा पहली बार नहीं हुआ। ऐसा पहले भी हो चुका है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की नियति बन चुका है। जिसके कारण पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में बहुत गंभीर मतभेद हैं। आज पाकिस्तान में भले ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो भी सरकार में शामिल हैं। कभी एक दूसरे के धुर विरोधी रहे यह दोनों दल बेमेल गठबंधन करके पाकिस्तान में सरकार चला रहे हैं। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इन दोनों दलों का एक ही उद्देश्य था, इमरान खान को सत्ता में आने से रोकना। सबसे ज्यादा सीट प्राप्त करने के बाद भी इमरान को विपक्ष की भूमिका से संतुष्ट होना पड़ा। अब इमरान खान के समर्थक युद्ध विराम के बाद सरकार के विरोध में अभियान छेड़े हुए हैं। इसी प्रकार ब्लूचिस्तान की भूमिका के बारे में सब जानते हैं। बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना पर कई बार आक्रमण करके यह जता दिया है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जंग के बीच ब्लूचिस्तान ने भी पाकिस्तान की सेना को निशाना बना कर कई आक्रमण किए। इससे पूर्व ब्लूचिस्तान के लड़ाकों ने जफर एक्सप्रेस को हाई जैक करके पाकिस्तान की सरकार के समक्ष चुनौती पूर्ण हालात पैदा कर दिए थे। ब्लूचिस्तान लम्बे समय से पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहा है। दूसरी ओर पाकिस्तान के अंदर सिंध और पंजाब में भी कई बार सरकार के विरोध में स्वर मुखरित हो चुके हैं। कहा जाता है कि इन दोनों राज्यों के साथ सरकार ने उपेक्षित व्यवहार किया है। इसके कारण पाकिस्तान की सरकार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। आज किसी भी योजना को सोच-विचार करके कार्य रूप देने से लक्ष्य हासिल होगा। धार्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ने से आपको खुशी मिलेगी। आज आपको अपनी प्रतिभा जाहिर करने का मौका मिलेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना रिश्ते में मधुरता लाएगा। आज व्यवसाय संबंधी डील मिले तो उसे हासिल करने में ज्यादा सोच-विचार ना करें। क्योंकि आज सही समय पर ही किए कामों के नतीजे अनुकूल रहेंगे। घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा। लवमेट की गलतफहमियां दूर होंगी और नजदीकियां बढ़ेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। कुछ समय से चल रहे पारिवारिक समस्याएं निपटने से घर में सुकून और शांति पूर्ण माहौल रहेगा। आज दूसरों के मामले में बिना मांगे सलाह नही दें। आप अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। आज अपने व्यस्त दिन से कुछ समय बच्चों के साथ बिताएं। साझेदारी संबंधी व्यवसाय में चल रही अनबन दूर होगी और आपसी रिश्ते में सुधार आएगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज्बात काबू में रखें, फायदा होगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि नहीं लेगे। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। इसका फायदा उठाना है, तो पुरानी नेगेटिव बातों को मन से निकालें। इससे आप फैसला लेने में सहज महसूस करेंगे। पारिवारिक सुख सुविधाओं संबंधी चीजों की शॉपिंग में दिन बीतेगा। इस राशि के स्टूडेंट अपने करियर को लेकर फोकस रहेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपका काफी दिनों से रुका काम पूरा हो जाएगा, जिससे मन प्रसन्न होगा। जो काम पिछले काफी समय से रुके हुए थे, आज वह कम मेहनत से ही सफल हो सकते हैं। विद्यार्थी अपने अध्ययन के प्रति पूर्णता ध्यान केंद्रित रखेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम है। भाई-बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, वह दूर होगी। आज आपकी योजना समय से पूरी हो जाएंगी। परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आफिस के काम को आज आप जल्द पूरा कर लेंगें। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बना सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर अधिक मेहनत करनी होगी, अपनी कार्य क्षमता में कमी न आने दें। आज रुका हुआ पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आज स्टाफ और सहयोगियों के साथ किसी विशेष कार्य पर विचार विमर्श होगा, जो कि सकारात्मक रहेगा। विस्तार संबंधी योजनाओं को गंभीरता से लें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी परिस्थितियां पहले से अनुकूल रहेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से आज अधिक लाभ होगा। आज आपको धन लाभ के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आज दोस्तों के साथ ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। ऑफिस का महत्वपूर्ण कार्य करने में आज बिजी रहेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। आज बच्चे घर के काम में माता की मदद करेंगे, जिससे माता उनसे प्रसन्न रहेगी। धार्मिक कार्यों में आज आपकी व्यस्तता रहेगी।

मकर राशिः आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। आपके व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में साइड बिजनेस कर सकते हैं। जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में रुचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त होने के योग हैं। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी। नए कार्य की शुरूआत करें सफलता मिलेगी। आप जीवन साथी के साथ परिवार की भलाई के लिए कार्य करते हुए नजर आएंगे और सदस्यों का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आप जॉब के लिए इंटरव्यू देने जाएंगे, जिसमें आपको सेलेक्ट कर लिया जाएगा। नया बिजनेस स्टार्ट करने से पहले किसी अनुभवी से सलाह लेंगे जिससे आपका बिजनेस अच्छे से चले। पुस्तकालय के कारोबारी नई ब्रांच खोलने का मन बना सकते हैं। दांपत्य जीवन में एक दूसरे को अच्छे से समझेंगे। आज अपने निर्णय में परिवार वालों की सलाह लेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले। आपको किसी निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

स्वास्थ्य हेतु खुली हवा सबसे बेहतर है

संजय गोस्वामी

आज कल लोग गर्मियों में एसी का प्रयोग करते हैं जो बीमारी पैदा कर सकता है एयर कंडीशन में मै एक रात सोया और मेरा गला जकड़ गया और जो मेरे हाथ में स्टील का रॉड और प्लेट लगा है जो करीब 15 साल पहले लगा है अचानक उसमें सुई चुभने जैसा लगा इसलिए सेहत को देखते हुए बिलकुल सोने से पीछे हटना पड़ा क्योंकि अगर सेहत बिगड़ा तो भुगतना खुद अपने को पड़ता है इसमें सच्चाई है या नहीं इसे ईश्वर पर छोड़ दिया क्योंकि वहीं एक दिन आपको सच्चा न्याय देगा और अगले जन्म में उससे पीछा छुरा सकता है इसमें क़ोई भी द्वेष की भावना नहीं है बल्कि सौहार्दपूर्ण है परिस्थिति आपके अनुकूल नहीं है तो पीछे हट जाएं क्योंकि स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ नहीं है कहीं एसी में लगातार सोने पर हाथ में इन्फेक्शन होता है तो भुगतना आपको पड़ेगा और जब इन्फेक्शन होगा तो हार्ट अटैक से मौत भी हो सकती है क्योंकि स्वशन प्रणाली में रुकावट आएगी नेचर ने जो ऑक्सीजन दिया है वो सबसे उत्तम है। लेकिन एक अध्ययन से पता चलता है कि एयर कंडीशनिंग से होने वाले ठंडे तापमान से इम्प्लांट वाले कुछ रोगियों में दर्द हो सकता है। इसलिए, हालांकि यह कोई सीधा खतरा नहीं है, लेकिन अगर आपके पास इम्प्लांट हैं और आप ठंड के प्रति संवेदनशील हैं, तो असुविधा की संभावना पर विचार करना उचित है। यहाँ एक विस्तृत जानकारी दी गई है: दर्द की संभावना: एक अध्ययन में पाया गया कि ऑर्थोपेडिक इम्प्लांट वाले 49% रोगियों को सर्जरी के बाद ठंडे तापमान से संबंधित दर्द का अनुभव हुआ। इससे पता चलता है कि एयर कंडीशनर से निकलने वाली ठंडी हवा संभावित रूप से इस दर्द को बढ़ा सकती है। मांसपेशियों में अकड़न और जोड़ों में दर्द: एसी चालू करके ठंडे कमरे में सोने से मांसपेशियों में अकड़न और जोड़ों में दर्द हो सकता है, खासकर लंबे समय तक संपर्क में रहने पर। ऐसा इसलिए है क्योंकि ठंडे तापमान से मांसपेशियाँ सिकुड़ सकती हैं और सख्त हो सकती हैं, जिससे असुविधा हो सकती है। शुष्क त्वचा और आँखें: एयर कंडीशनिंग भी कम आर्द्रता के कारण आपकी त्वचा और आँखों को शुष्क कर सकती है, जिससे संभावित रूप से जलन और असुविधा हो सकती है।एयर कंडीशनर के साथ सोने से सीधे आपकी हड्डियाँ कमज़ोर होती हैं। हालाँकि, ठंडे वातावरण में सोने के बारे में कुछ विचार हैं:जिसमें हड्डियों का स्वास्थ्य भी शामिल है।नमी का स्तर: एयर कंडीशनिंग नमी को कम कर सकती है, जिससे हवा में सूखापन हो सकता है। यह कुछ लोगों के लिए असुविधा का कारण बन सकता है, विशेष रूप से श्वसन प्रणाली या त्वचा को प्रभावित करता है, लेकिन इसका हड्डियों के स्वास्थ्य से कोई सीधा संबंध नहीं है।मांसपेशियों और जोड़ों का स्वास्थ्य: कुछ लोगों को ठंडे वातावरण में अकड़न या जोड़ों में दर्द महसूस हो सकता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से गतिशीलता और गतिविधि के स्तर को प्रभावित कर सकता है। मजबूत हड्डियों को बनाए रखने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि आवश्यक है।सामान्य स्वास्थ्य: आहार, व्यायाम और समग्र स्वास्थ्य जैसे कारक ठंडे वातावरण में सोने की तुलना में हड्डियों के घनत्व और ताकत पर बहुत अधिक महत्वपूर्ण प्रभाव डालते है। एयर कंडीशनिंग सिस्टम अधिक सुसंगत तापमान और आर्द्रता नियंत्रण प्रदान कर सकते हैं, जो विशेष रूप से गर्म और आर्द्र जलवायु में महत्वपूर्ण है. जो आपके

अंदर की ख़राब हवा को बाहर जाने देता है खून का सर्कुलेशन बराबर रखता है सोने समय जो ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बनदाई ऑक्साइड बाहर छोड़ते है वो खुली हवा में बाहर जाता है और एयरकंडीशन में वो अंदर ही रहता है जिससे चेस्ट में इन्फेक्शन हो सकता है नेचर ने जो हवा दि है उसमें रोग से लड़ने की क्षमता होरी है जो एसी में नहीं है अध्ययन से ऐ भी पता चला है कि कोविड में एसी से मरीजों में इन्फेक्शन हुआ लंग्स को ख़राब किया और लोगों की मौत हुई कंपनी कभी इस दोषों को नहीं बताती और आप रोग का शिकार होते हैं अतः खुली हवा सेहत के लिए सही है कुछ उसमें प्रदूषण भी होगा तो नाक की बाल उससे बचाती है. नेचर में जो हवा है वो पेड़ से शुद्ध ऑक्सीजन देता है और सूर्य की किरणों से हड्डी मजबूत होती है खून जमता नहीं है.वातानुकूलित कमरे में सोने से शरीर में कई तरह की प्रतिक्रियाएँ हो सकती हैं, जिसमें तापमान विनियमन में व्यवधान, निर्जलीकरण, शुष्क त्वचा और आँखें तथा मांसपेशियों में तनाव शामिल हैं। ये प्रभाव मुख्य रूप से एसी द्वारा उत्पन्न कम आर्द्रता और ठंडे तापमान के कारण होते हैं। यहाँ अधिक विस्तृत जानकारी दी गई है: तापमान विनियमन: एसी शरीर के प्राकृतिक तापमान विनियमन को बाधित कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से हाइपोथर्मिया (शरीर का कम तापमान) हो सकता है। निर्जलीकरण: एसी द्वारा उत्पादित शुष्क हवा शरीर से नमी के वाष्पीकरण को तेज कर सकती है, जिससे संभावित रूप से हल्का निर्जलीकरण हो सकता है। शुष्क त्वचा और आँखें: एसी हवा से नमी को हटाते हैं, जिससे त्वचा, आँखें और श्वसन मार्ग में सूखापन होता है, जिससे संभावित रूप से खुजली, जलन और मौजूदा त्वचा की स्थिति खराब हो सकती है। मांसपेशियों में तनाव: ठंडी हवा के संपर्क में आने से मांसपेशियों में अकड़न और दर्द हो सकता है, खासकर उन व्यक्तियों में जिन्हें पहले से ही जोड़ों या मांसपेशियों की समस्या है। कान में संक्रमण: अचानक तापमान में बदलाव यूस्टेशियन ट्यूब को प्रभावित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से कान में दर्द और बेचैनी हो सकती है। श्वसन संबंधी समस्याएं: शुष्क हवा अस्थमा और एलर्जी जैसी श्वसन समस्याओं को बढ़ा सकती है, और यदि एसी यूनिट का उचित रखरखाव नहीं किया जाता है, तो यह धूल और फफूंद फैला सकती है, जिससे वायुमार्ग में और अधिक जलन हो सकती है।खिड़कियाँ खोलने से ताजी हवा अंदर आती है, जिससे इनडोर वायु की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है और आर्द्रता कम हो सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विराट का विकल्प मिलना आसान नहीं रहेगा : पुजारा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास लेने के कारण खाली हुए चौथे नंबर की कमी को भरना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि विराट लंबे समय से नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। साल 2013 में सचिन तेंदुलकर के संन्यास के बाद से 115 टेस्ट मैचों में से कोहली ने 99 मैचों में चौथे स्थान पर बल्लेबाजी की है। इससे समझा जा सकता है कि इस नंबर पर उनकी अहमियत क्या है। ऐसे में विराट के संन्यास के बाद इस जगह के लिए कई नाम उभरे हैं पर इसके बाद भी उनका सही विकल्प मिलना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कोहली के विकल्प को लेकर कहा, हमें यह पता लगाने के लिए कुछ सीरीज की जरूरत होगी कि नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए कौन सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह एक अहम स्थान है। आपको नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत होती है। और इस समय मुझे लगता है कि यह एक ऐसा स्थान है जहां टीम प्रबंधन को यह पता लगाना होगा कि नंबर-4 पर सबसे उपयुक्त खिलाड़ी कौन है। उन्होंने कहा, "ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं पर अभी तक किसी ने भी अपनी जगह पक्की नहीं की है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कुछ समय लगेगा।"पुजारा ने आगे कहा, अभी कोई भी फैसला नहीं किया जा सकता है पर यह देखना अहम होगा कि इंग्लैंड में कौन अच्छा प्रदर्शन करता है, क्योंकि जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, वह चौथे नंबर पर खेल सकता है। वहीं, पुजारा ने शुभमन गिल के बारे में कहा, वह निश्चित रूप से एक विकल्प हैं पर अभी वह नंबर-3

पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसे में क्या वह अपना स्थान बदलने तैयार होंगे हमें देखना होगा। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, "शुभमन ऐसे खिलाड़ी है जो नई गेंदों को खेलने में अधिक सक्षम है। नंबर-3 पर बल्लेबाजी शुरू करने से पहले वह ओपनिंग करते थे। वह तब बल्लेबाजी करना पसंद करते है जब गेंद थोड़ी सख्त और नई हो। क्या वह पुरानी गेंद से खेल पाएंगे? इस समय यह एक बड़ा सवाल है।" दिसंबर 2020 में सबसे लंबे फॉर्मेट में डेब्यू करने के बाद से गिल ने अब तक 32 टेस्ट में शीर्ष तीन से बाहर बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के चक्र की शुरुआत में नंबर-3 पर खेलने से पहले ज्यादातर पारी की शुरुआत की है। पुजारा का मानना है कि गिल शीर्ष क्रम में बने रहने के लिए सबसे उपयुक्त हैं हालांकि नंबर-4 पर जाने की संभावना को खारिज नहीं किया। पुजारा ने कहा, चूंकि उन्होंने नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए मैं अब भी कहूंगा कि उन्हें शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करनी चाहिए, जो उनकी आइडियल पोजीशन है। यह उनके लिए उपयुक्त है।

विराट और रोहित 2027 एकदिवसीय विश्वकप शायद ही खेल पायें : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा शायद ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेल पायें। विराट और रोहित ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है और अब दोनो ही एकदिवसीय क्रिकेट प्रारुप में ही खेलेंगे। इन दोनो ने पहले ही टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। दोनो ने ही अगले विश्वकप में खेलने की भी इच्छा जताई है। रोहित भी 50 ओवर के विश्वकप को जीतकर भारत को ये आईसीसी खिताब भी जिताना चाहते हैं। वहीं गावस्कर का मानना है कि बढ़ती उम्र के कारण इन दोनो को विश्वकप में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है। गावस्कर ने कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप में इनका खेलना चयनसमिति के रुख पर निर्भर करेगा। चयनकर्ता देखेंगे कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं। गावस्कर ने कहा, इन दोनो ने ही एकदिवसीय प्रारुप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर चयनकर्ता 2027 विश्व कप को

ध्यान में रखते हुए फैसले लेंगे। इसमें अभी दो साल है। तब तक ये दोनो ह 38 साल के करीब हो जायेंगे। ऐसे में चयनकर्ता अनुमान लगायेंगे कि कया ये दोनो पहले की तरह योगदान दे पाएंगे या नहीं। अगर चयनकर्ताओं को लगता है कि हां, वे कर सकते हैं, तो दोनों वहां होंगे। गावस्कर ने जोर देकर कहा नहीं, मुझे नहीं लगता कि वे खेलेंगे हालांकि अगले एक-दो साल में, अगर वे बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं, और अगर वे लगातार शतक बनाते हैं, तो उन्हें कोई नहीं निकाल सकता। रोहित भी विराट की तरह ही 50 ओवर के खेल को अहम मानते हैं। गावस्कर को लगता है कि दोनों का 2027 विश्व कप खेलने का सपना शायद ही पूरा हो। गावस्कर के इस बयान से विराट और रोहित के प्रशंसकों का निराश होने स्वाभाविक है पर अभी 2027 विश्व कप में अभी काफी समय है। इस दौरान बहुत कुछ बदल सकता है।

रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तानी को लेकर तेज हुई दौड़

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा के पिछले हफ्ते संन्यास लेने के बाद इंग्लैंड में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम के नए कप्तान को लेकर चर्चा तेज़ हो गई है। जहां एक ओर शुभमन गिल का नाम सामने आ रहा है, वहीं पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर. अश्विन ने तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को कप्तानी के लिए मज़बूत दावेदार बताया है।

अश्विन बोले- बुमराह हैं कप्तानी के हकदार- अपने शो 'ऐश की बात' में अश्विन ने कहा, "इंग्लैंड जाने वाली टीम नई और बदली हुई होगी और उस टीम में शायद बुमराह सबसे सीनियर खिलाड़ी होंगे। वो निश्चित रूप से कप्तानी के विकल्पों में शामिल हैं। मैं मानता हूं कि वो इसके हकदार हैं, लेकिन चयनकर्ता उनके शारीरिक भार को देखकर फैसला लेंगे।"

बुमराह को पहले भी मिल चुकी है कप्तानी- गौरतलब है कि जसप्रीत बुमराह ने 2022 में एजबेस्टन में खेले गए पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी, जब रोहित शर्मा कोविड के कारण टीम से बाहर थे। उस मैच में भले ही भारत को हार मिली थी, लेकिन बुमराह की कप्तानी की काफी तारीफ हुई थी। इसके अलावा बुमराह ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत को 295 रन से ज़बरदस्त जीत दिलाई थी।

फिटनेस होगी सबसे बड़ा सवाल- हालांकि बुमराह की चोटों का इतिहास देखते हुए चयनकर्ता उन्हें फुल-टाइम टेस्ट कप्तान बनाने से पहले उनके वर्कलोड और फिटनेस को लेकर सावधानी बरत सकते हैं।

19 जून से लॉर्ड्स में शुरू होगी सीरीज़- इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम का ऐलान इसी महीने के अंत तक होने की उम्मीद है। पहला टेस्ट मुकाबला 19 जून से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में खेला जाएगा।

इंग्लैंड दौरे पर यशस्वी और राहुल कर सकते हैं भारतीय टीम की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय टीम आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस दौरे में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी में बदलाव नजर आयेगा क्योंकि ये दोनो ही पिछले एक दशक से खेलते रहे हैं। रोहित जहां पारी की शुरुआत करते रहे हैं। वहीं विराट नंबर चार पर खेलते हैं। रोहित की जगह पर अब यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। उनके जोड़ीदार के तौर पर अनुभवी केएल राहुल उतरेंगे। इन दोनो ने ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा इंग्लैंड में राहुल ने पहले कुछ रन भी बनाए हैं। वहीं नंबर तीन पर शुभमन गिल बल्लेबाज करेंगे। वह पहले भी इसी नंबर पर उतरते रहे हैं। नंबर

चार की जगह विराट कोहली के जाने से खाली हो गई है। इसके लिए साई सुदर्शन, करुण नायर और श्रेयस अय्यर जैसे दावेदार हैं। सुदर्शन ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट खेले नहीं खेला है जबकि करुण नायर भी 8 साल से टीम से बाहर हैं। इसके अलावा श्रेयस अय्यर भी करीब डेढ़ साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। ऐसे में इनमें से किसे जगह मिलती है ये देखना होगा। वहीं पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत, छठे नंबर पर नितीश कुमार रेड्डी, सातवें पर रविंद्र जडेजा और 8वें पर वॉशिंगटन सुंदर या शार्दुल ठाकुर खेल सकते हैं। इस तरह भारत के पास कम से कम 8 नंबर तक अच्छी बैटिंग होगी। हालांकि, अभी टीम का सिलेक्शन नहीं हुआ है।

आईपीएल में अब केवल खेल हों , डांस और डीजे नहीं : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि कहा है कि 17 मई से दोबारा शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के दौरान डांस और डीजे नहीं होना चाहिये केवल मैच खेले जाने चाहिये। गावस्कर ने कहा है कि हाल में हुए पहलगाम आतंकी हमले में कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है जिससे वे शोक में हैं। ऐसी स्थित में आईपीएल मैच में किसी भी प्रकार से मनोरंजन के इंतजाम नहीं होने चाहिये। गावस्कर ने कहा कि आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष के दौरान भी सीमावर्ती इलाकों में कुछ लोगों की जाने गयीं हैं। ऐसे में उनके प्रति सम्मान जताते हुए हमें आईपीएल को खेल तक ही सीमित रखना चाहिये। उन्होंने कहा " मैच में लोगों को आने दें पर संगीत न

बजाएं, ओवरों के बीच में डीजे न चिल्लाएं, ऐसा कुछ भी न हो। बस खेल हो, कोई डांसर न हो, कुछ भी न हो केवल क्रिकेट हो। यह पीड़ित परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने का एक तरीका होगा।" भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल का मौजूदा सत्र 17 मई से छह स्थानों पर फिर से शुरू करने का फैसला किया, जिसमें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार फाइनल तीन जून को होगा। इसमें पहला मैच 17 मई को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होगा।

व्यापार

तुर्किये और अजरबैजान की यात्राओं के बहिष्कार का आह्वान

- कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा-तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार भी करेंगे बंद

नई दिल्ली। कारोबारियों के शीर्ष संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) चीन, तुर्की तथा अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान का खुला समर्थन करने पर देशभर के व्यापारियों एवं जनता से इन देशों की यात्राओं का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। दरअसल, कैट विगत कई वर्षों से चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने का अभियान चलाए हुए है, जिसका व्यापक असर पड़ा है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बुधवार को यह आह्वान करते हुए कहा कि यदि भारतीय नागरिक तुर्किये और अजरबैजान की पाकिस्तान के प्रति समर्थन के विरोध में इन देशों की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो इसका इन देशों की अर्थव्यवस्था, विशेषकर पर्यटन क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि तुर्किये और अजरबैजान के साथ व्यापार बंद करने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय 16 मई को कैट द्वारा नई दिल्ली में आयोजित देश के प्रमुख व्यापारी नेताओं के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि देशभर के व्यापारी और जनता तुर्किये और अजरबैजान की यात्राओं का पूर्ण बहिष्कार करें और इन दोनों देशों द्वारा भारत के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन करने पर करारा जवाब दें। तुर्किये और अजरबैजान की यात्राओं के बहिष्कार को लेकर कैट इस संबंध में ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स संगठनों सहित विभिन्न अन्य संबंधित वर्गों से संपर्क कर इस अभियान को तेज करेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार तुर्किये में कुल विदेशी आगमन 62.2 मिलियन पर्यटक का था, जिसमें अकेले भारत से करीब 3 लाख पर्यटक थे। वर्ष 2023 की तुलना में भारतीय पर्यटकों की 20.7 फीसदी की वृद्धि थी। खंडेलवाल ने कहा कि तुर्किये का कुल पर्यटन राजस्व 61.1 अरब डॉलर है। इस तरह एक भारतीय पर्यटक का औसत खर्च 972 डॉलर होता है। इस लिहाज से भारतीय पर्यटकों का कुल अनुमानित खर्च 291.6 मिलियन डॉलर के करीब होता है। खंडेलवाल ने कहा की यदि भारतीय पर्यटक तुर्किये की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो तुर्किये को लगभग 291.6 मिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष नुकसान होगा। इसके अलावा भारतीय पर्यटकों द्वारा आयोजित विवाह, कॉर्पोरेट कार्यक्रम और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के रद्द होने से अप्रत्यक्ष रूप से और भी आर्थिक नुकसान हो सकता है। अजरबैजान में भारतीय पर्यटकों का जिक्र करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि यहां वर्ष 2024 में कुल विदेशी आगमन लगभग 2.6 मिलियन पर्यटक था, जिसमें भारतीय पर्यटकों की संख्या लगभग 2.5 लाख थी और प्रति भारतीय पर्यटक औसत खर्चः 2,170 AZN था जो लगभग 1,276 डॉलर होता है। इस लिहाज से भारतीय पर्यटकों का खर्च 308.6 मिलियन डॉलर के करीब अजरबैजान में होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय पर्यटकों के बहिष्कार से अजरबैजान को लगभग 308.6 मिलियन डॉलर प्रत्यक्ष नुकसान होगा। कैट महामंत्री ने कहा कि चूंकि भारतीय पर्यटक मुख्य रूप से अवकाश, मनोरंजन, विवाह, और साहसिक गतिविधियों के लिए अजरबैजान जाते हैं, ऐसे में इन क्षेत्रों में भी आर्थिक मंदी बड़े पैमाने पर हो सकती है। इस आर्थिक नुकसान से तुर्किये और अजरबैजान पर भारत के प्रति अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने का दबाव भी बढ़ सकता है। वहीं, पर्यटन से होने वाले सांस्कृतिक आदान-प्रदान में कमी भी होगी तथा दोनों देशों के स्थानीय व्यवसायों पर विपरीत प्रभाव भी पड़ेगा। इसके अलावा इन देशों के होटल, रेस्तरां, टूर ऑपरेटर और अन्य संबंधित व्यवसायों को भी नुकसान होगा।

थोक महंगाई दर अप्रैल में घटकर 13 माह के निचले स्तर 0.85 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर जनता को राहत देने वाली खबर है। खुदरा के बाद थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज हुई है। अप्रैल में थोक महंगाई दर 2.05 फीसदी से घटकर 0.85 फीसदी पर आ गई है। यह 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च, 2024 में थोक महंगाई दर 0.53 फीसदी के स्तर पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर अप्रैल माह में खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में कमी आने की वजह से घटकर 0.85 फीसदी रह गई। रोजाना की जरूरत के सामानों और खाने-पीने की चीजों की कीमतें घटने की वजह से थोक महंगाई दर घटी है। मार्च में यह 2.05 फीसदी और अप्रैल 2024, में 1.19 फीसदी रही थी। फरवरी, 2025 की थोक महंगाई दर के जारी आंकड़ों को संशोधित किया गया है। सरकार ने इसे 2.38 फीसदी से बढ़ाकर 2.45 फीसदी किया गया है। इसके अलावा डब्ल्यूपीआई पर आधारित मुद्रास्फीति मार्च महीने में 2.05 फीसदी और अप्रैल, 2024 में 1.19 फीसदी रही थी। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अप्रैल में 0.86 फीसदी रही जो मार्च में 1.57 फीसदी थी। अप्रैल में सब्जियों की मुद्रास्फीति दर 18.26 फीसदी रही, जबकि मार्च में यह 15.88 फीसदी रही थी। प्याज में मुद्रास्फीति घटकर अप्रैल

में 0.20 फीसदी रह गई, जबकि मार्च में यह 26.65 फीसदी थी। हालांकि अप्रैल में विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति 2.62 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह 3.07 फीसदी रही थी। ईंधन एवं बिजली के क्षेत्र में मुद्रास्फीति अप्रैल में 2.18 फीसदी रही, जो मार्च में 0.20 फीसदी थी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा महंगाई दर को 4 फीसदी के आसपास बनाए रखने का अनुमान जताया है, लेकिन सब्जियों, फलों एवं दालों की कीमतों में नरमी आने से अप्रैल में खुदरा महंगाई दर घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.16 फीसदी पर आ गई है, जो जुलाई 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। जुलाई, 2019 में यह 3.15 फीसदी रही थी।

वन प्लस 13टी ने बैटरी टेस्ट में प्रीमियम फोन्स को पछाड़ा

नई दिल्ली। वन प्लस 13टी ने हाल ही में एक बैटरी टेस्ट में प्रीमियम स्मार्टफोन्स को पीछे छोड़ दिया है। यूट्यूबर टेक ड्रॉइडर ने शाओमी 15 प्रो, सैमसंग गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा, आईफोन 16 प्रो मैक्स, पिक्सल 9 प्रो एक्सएल के साथ वनप्लस 13टी की बैटरी परफॉर्मेंस का परीक्षण किया। इस टेस्ट में 6260एमएएच की बैटरी वाले वन प्लस 13टी ने अन्य सभी डिवाइसेज को पीछे छोड़ते हुए सबसे बेहतर बैटरी लाइफ दी। टेस्ट में गूगल पिक्सल 9 प्रो एक्सएल सबसे पहले बंद हुआ, क्योंकि इसकी बैटरी बहुत जल्दी खत्म हो गई और यह सबसे अधिक तापमान भी दिखा। इसके बाद सैमसंग गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा आया, जो वनप्लस 13T से 14 मिनट पहले बंद हो गया। शाओमी 15 प्रो गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा से 19 मिनट ज्यादा चला,

लेकिन आईफोन 16 प्रो मैक्स से 6 मिनट पहले इसकी बैटरी खत्म हो गई। इस टेस्ट में वन प्लस 13टी ने बाकी सभी डिवाइसेज से 32 मिनट ज्यादा चलकर साबित किया कि यह बैटरी के मामले में एक पावरफुल डिवाइस है। इस बैटरी टेस्ट में जिन 6 डिवाइसेज को शामिल किया गया, उनमें चार स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर पर काम कर रहे थे, जबकि आईफोन 16 प्रो मैक्स ए18 प्रो और गूगल पिक्सल 9 प्रो एक्सएल टेनसोर जी4 प्रोसेसर से लैस थे। इस टेस्ट से साफ तौर पर यह समझा जा सकता है कि बैटरी लाइफ में हर चिपसेट की पावर इफीशिएंसी और डिस्प्ले साइज का अहम योगदान होता है। वन प्लस 13टी स्मार्टफोन पहले ही चीन में लॉन्च हो चुका है और जल्द ही भारत में वन प्लस 13एस के नाम से लॉन्च होगा। इसमें 6.32 इंच का 1.5केएलटीपीओ एएमओएलईडी डिस्प्ले, 16जीबी तक रैम, और 1टीबी तक स्टोरेज है। फोन की बैटरी 6260एमएएच है, जो 80डब्ल्यू की सुपर सुपरवूक चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन में 50एमपी का मुख्य कैमरा और 16एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। यह डिवाइस एंड्रायड 15 आधारित कलर ओएस 15 पर काम करता है।

टोयोटा के चेयरमैन का दावा, इलेक्ट्रिक से ज्यादा बेहतर हैं हाइब्रिड वाहन

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहनों को हमेशा पर्यावरण के अनुकूल समाधान के रूप में देखा जाता है, लेकिन ऑटोमोबाइल कंपनी टोयोटा के चेयरमैन अकीओ टोयोडा का मानना है कि हकीकत इससे कहीं अधिक जटिल है। उन्होंने इलेक्ट्रिक गाड़ियों की क्लीन छवि पर सवाल खड़े किए हैं। टोयोडा के अनुसार, सिर्फ टेलपाइप से उत्सर्जन न होना इन्हें पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल नहीं बनाता, क्योंकि इन वाहनों के निर्माण और संचालन से जुड़ी छिपी हुई प्रदूषण लागत को अक्सर नजरअंदाज कर देते है। टोयोडा का मनाना हैं कि ईवी की बैटरियों में इस्तेमाल होने वाली धातुओं जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल के खनन और परिवहन से भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन होता है। इसके अलावा, अगर इन वाहनों को चार्ज

करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बिजली थर्मल स्रोतों से आती है, तब कुल मिलाकर इनका कार्बन फुटप्रिंट उतना कम नहीं होता जितना प्रचारित किया जाता है। जापान का उदाहरण देकर टोयोडा ने बताया कि वहां ईवी कारों बढ़ने से कुल उत्सर्जन बढ़ सकता है, क्योंकि बिजली अब भी थर्मल पावर से आती है। इस संदर्भ में टोयोटा के हाइब्रिड वाहनों को एक व्यावहारिक समाधान के रूप में पेश किया गया है। हाइब्रिड गाड़ियां पेट्रोल और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से चलती हैं और यह खुद-ब-खुद चार्ज होती हैं, जिससे 40 प्रतिशत तक ईंधन की बचत होती है। अब तक दुनिया भर में कंपनी ने 2.7 करोड़ हाइब्रिड गाड़ियां बेची हैं और उनका दावा है कि इससे 90 लाख इलेक्ट्रिक कारों के बराबर कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है वहां भी बिना बड़े पैमाने पर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर या बैटरी निर्माण के। टोयोडा का दृष्टिकोण है कि कार्बन न्यूट्रैलिटी की दिशा में एक से अधिक तकनीकों की जरूरत है। हाइब्रिड, प्लग-इन हाइब्रिड, हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहन सभी मिलकर ही इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। भारत जैसे देशों के लिए टोयोटा की सोच विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहां चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सीमित है और बिजली उत्पादन अब भी कोयले पर निर्भर है।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 182 अंक उछला

नई दिल्ली। खुदरा और थोक महंगाई में नरमी से हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 182.34 अंक यानी 0.22 फीसदी उछल कर 81,330.56 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 88.55 अंक यानी 0.36 फीसदी बढ़कर 24,666.90 के स्तर पर बंद हुआ। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा मोटर्स, इटर्नल, टेक महिंद्रा, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल लाभ में रहीं। कारोबार के दौरान दूरसंचार कंपनी एयरटेल का शेयर एक फीसदी चढ़ा। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और पावरग्रिड शामिल हैं। एशिया के अन्य

प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे, जबकि जापान के निक्की में नुकसान रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.13 फीसदी की गिरावट के साथ 65.88 डॉलर प्रति बैरल रहा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को सेंसेक्स 1,281.68 अंक यानी 1.55 फीसदी टूटकर 81,148.22 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 346.35 अंक यानी 1.39 फीसदी फिसलकर 24,578.35 के स्तर पर बंद हुआ था।

कुबेर के निर्माताओं ने धनुष के किरदार को देवा के रूप में पेश किया

शेखर कम्मुला फिल्म से दिलचस्प पोस्टर जारी किया

शेखर कम्मुला की बहुप्रतीक्षित फिल्म कुबेरा में अभिनेता धनुष ने अपना नया और गहरा अवतार पेश किया है। इस लुक को देखकर यह साफ होता है कि फिल्म में उनका किरदार देवा सिनेमा प्रेमियों को एक नया और दिलचस्प अनुभव देने वाला है। कुबेरा के निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का एक आकर्षक पोस्टर जारी किया, जिसमें धनुष का यह लुक एक शक्तिशाली संदेश देता है। पोस्टर में धनुष को समुद्र तट पर नंगे पैर चलते हुए दिखाया गया है, जो उनकी भूमिका के भीतर छिपे गहरे संघर्ष, एकांत और ताकत को दर्शाता है। इस छवि से यह साफ संकेत मिलता है कि 'देवा एक ऐसा पात्र होगा जो आंतरिक संघर्ष से गुजरता हुआ, अपने आत्मविश्वास और धैर्य के साथ एक नई दिशा की ओर बढ़ता है। इस लुक में एक प्रोफ़ाइल शॉट भी है, जिसमें धनुष की आँखों में गहरी सोच और संघर्ष की झलक है, जो दर्शकों को और भी उत्सुक करता है। कुबेरा, जो शेखर कम्मुला के निर्देशन में बन रही है, निर्माता और अभिनेता के बीच पहला सहयोग है। कम्मुला के फिल्मी सफर में यह एक नया मोड़ है, और इस प्रोजेक्ट को लेकर सिनेमा जगत में काफी उत्साह है। शेखर कम्मुला की फिल्मों को उनके संवेदनशील और गहरे किरदारों के लिए जाना जाता है, और उनके साथ धनुष का यह संयोजन एकदम नया और दिलचस्प प्रतीत हो रहा है। यह पोस्टर उस वक्त जारी किया गया जब धनुष फिल्म इंडस्ट्री में अपने 23 वर्षों की यात्रा का जश्न मना रहे हैं। धनुष, जिन्होंने अब तक अपने करियर में सैकड़ों शानदार फिल्में दी हैं, ने इस यात्रा में अपनी मेहनत, समर्पण और जुनून से कई बार दर्शकों का दिल जीता है। उनके लिए यह साल खास है, और कुबेरा में उनका लुक उनके जीवन के इस महत्वपूर्ण मोड़ को और भी खास बना देता है। कुबेरा का संगीत देवी श्री प्रसाद द्वारा दिया जा रहा है, जिनके संगीत का एक विशिष्ट और रोमांचक अंदाज दर्शकों को पहले ही बहुत पसंद आ चुका है। इस फिल्म का प्रोडक्शन टीम भी बहुत ही मजबूत है, और इससे जुड़ी हर अपडेट सोशल मीडिया पर हलचल मचा रही है। निर्माता श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड ने फिल्म को 20 जून, 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ करने की घोषणा की है, जो एक बड़ी रिलीज़ के रूप में सामने आ रही है। 'कुबेरा की रिलीज़ से पहले ही फिल्म की कहानी, निर्देशन और कलाकारों की मेहनत को लेकर ढेर सारी उम्मीदें हैं। धनुष का 'देवा के रूप में लुक और शेखर कम्मुला का निर्देशन इस फिल्म को एक नया आयाम देने वाले हैं। अब यह देखना होगा कि 'कुबेरा दर्शकों के दिलों में कितनी जगह बनाता है और धनुष की सशक्त भूमिका फिल्म को कहां तक ले जाती है। फिल्म को लेकर पूरी दुनिया में प्रत्याशा का माहौल बना हुआ है, और दर्शकों को इस अद्वितीय और रोमांचक यात्रा का इंतजार है, जो 20 जून, 2025 को सिनेमा घरों में देखने को मिलेगी।

केसरी वीर का गाना ढोलीडा ढोल नगाड़ा रिलीज

प्रेम रंग में रंगे सूरज पंचोली-आकांक्षा शर्मा

फिल्म 'केसरी वीर का नया गाना 'ढोलीडा ढोल नगाड़ाज् मेकर्स ने रिलीज किया है। इस गाने में सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा गरबा करते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही गाने में वह प्यार के डूबे हुए भी दिख रहे हैं। यह फिल्म जरूर एक हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म है लेकिन इसमें सूरज और आकांक्षा के किरदारों के बीच एक प्रेम कहानी भी चलती है। 'ढोलिडा नगाड़ाज् गाने को सुनिधि चौहान, कीर्तिदान गढ़वी और गौरव चट्टी ने गाया है। इस गाने को सृजन ने लिखा है और मोंटी शर्मा ने कंपोज, प्रोड्यूस किया है। फिल्म 'केसरी वीर का निर्देशन प्रिंस धीमान ने किया है और इसके निर्माता कनु चौहान हैं। हाल ही में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय की फिल्म 'केसरी वीर की रिलीज डेट भी बदली गई है। इस फिल्म के मेकर्स ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि उनकी फिल्म अब 23 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 16 मई 2025 को रिलीज होने वाली थी। फिल्म 'केसरी वीर में एक्शन, इमोशन, ड्रामा और हिस्ट्री सभी कुछ शामिल है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली ने योद्धाओं के रोल किए हैं वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'केसरी वीर की कहानी की बात की जाए तो इसमें सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की ऐतिहासिक कहानी दिखाई जाएगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने इस मंदिर की रक्षा की थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस अकांक्षा शर्मा भी नजर आंएगी, वह भी एक्शन करती दिखेंगी।

कनखजूरा का टीजर रिलीज, मोहित रैना-रोशन मैथ्यू आए नजर; धोखे की डरावनी कहानी दिखी

सीरीज 'कनखजूरा के टीजर में गोवा की शांति से कहानी शुरू होती है। इसी शांति के बीच खामोशी में कोई अपनों को धोखा देने की फिराक में नजर आता है। दुनिया की नजर में एक व्यक्ति किसी काम का नहीं है लेकिन वह कुछ ऐसा कर बैठता है, जिससे हर किसी की जिंदगी तहस-नहस होने लगती है। विस्तार से जानिए, 'कनखजूरा के टीजर के बारे में। एक हत्या के आरोप में सजा काट रहे शख्स को इस शर्त पर जेल से जल्दी रिहा किया जाता ताकि वह पुलिस का मुखबिर बन जाए। वैसे 'कनखजूरा इजराइली सीरीज 'मैगपाई का एडेप्टेशन है लेकिन कहानी को भारतीय रंग में रंगा गया है। 'कनखजूरा में दो भाइयों हैं, जिन्हें अपने काले अतीत का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस सीरीज में आशु का किरदार निभाने वाले रोशन मैथ्यू कहते हैं, 'मुझे कनखजूरा की कहानी हटकर लगी। इसमें मेरा किरदार काफी जटिल किस्म का है। वह एक पल में नाजुक बन जाता है और दूसरे ही पल उसके अंदर तूफान उठने लगता है। यह कहानी दिल को छू लेने वाली है। इस सीरीज में हर रिश्ता किसी न किसी तरह से टूटा हुआ है। रोशन मैथ्यू के सामने टक्कर का किरदार टीवी और फिल्म एक्टर मोहित रैना निभाते नजर आ रहे हैं। वह पहले कई टीवी सीरियल में नजर आ चुके हैं, जिसमें सबसे ज्यादा चर्चित सीरियल 'देवों के देव महादेव रहा है। अजय राय द्वारा निर्मित और चंदन अरोड़ा द्वारा निर्देशित सीरीज 'कनखजूरा में रोशन मैथ्यू, मोहित रैना के अलावा सारा जेन डायस, महेश शेट्टी, निनाद कामत, त्रिनेत्र हलधर, हीबा शाह और उषा नाडकर्णी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे।

घुटनों में असहनीय दर्द के बाद भी नहीं मानी हार, रितिका सिंह की ट्रांसफॉर्मेशन जर्नी देख सब हैरान!

साउथ इंडस्ट्री और हिंदी फिल्मों में अपने मजबूत किरदारों से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रितिका सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी फैट-टू-फिट जर्नी दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने घुटनों की चोट के बावजूद वजन घटाया और फिर से पुरानी फिगर हासिल की। रितिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसकी शुरुआत में उन्होंने बताया कि उनका वजन बढ़ गया था और वह 72 किलो तक पहुंच गई थीं। इसके बाद वीडियो में उन्होंने दिखाया कि कैसे उन्होंने वर्कआउट करके, मेहनत और लगन से अपना वजन घटाया और फिर से फिट शेप में वापस लौट आईं। वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, पिछले तीन महीने मेरे लिए बेहद बदलाव भरे रहे। सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरा वजन बहुत बढ़ गया था, बल्कि इसलिए भी कि मेरे घुटनों की पुरानी चोटें और दर्द देने लगी थीं। दर्द इतना ज्यादा था कि मैं ठीक से चल भी नहीं पा रही थी, किक मारना या डांस करना भी मुश्किल हो गया था। तभी मैंने आईने में खुद को देखा और खुद से कहा कि बस बहुत हो गया, अब खुद को पूरी तरह बदलने का वक्त आ गया है। इस दौरान सामने आई चुनौतियों के बारे में बताते हुए उन्होंने आगे लिखा, मैंने अपनी लाइफस्टाइल में कई बड़े बदलाव किए, जैसे डाइट, एक्सरसाइज, और रूटीन में सुधार किया... लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना था, जो अक्सर छोटी और बेकार लगती हैं, लेकिन असल में सबसे ज्यादा असर उन्हीं चीजों ने डाला। उदाहरण के तौर पर ऐसी चीज़ें हो सकती हैं: एक्ट्रेस ने पोस्ट के आखिर में कहा, मैं इस बारे में और बात करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे सच में लगता है कि ये कई लोगों की मदद कर सकता है, ताकि वे न सिर्फ बेहतर दिखें, बल्कि सबसे जरूरी बात बेहतर महसूस भी करें। वर्कफ्रंट की बात करें तो रितिका हाल ही में सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन में नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने एएसपी रूपा किरण का रोल निभाया। इस किरदार में वे रजनीकांत के साथ काम करती हैं, यानी उनकी टीम का हिस्सा हैं।

नयनतारा ने किया फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी का ऐलान; रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

साउथ अभिनेत्री नयनतारा बतौर निर्माता अपनी फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी लेकर आ रही हैं। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन और लेखन नयनतारा के पति विग्नेश शिवन ने किया है। नयनतारा ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ नयनतारा ने फिल्म एलआईके की एक झलक दिखाई और साथ ही कैप्शन में लिखा, आओ प्यार में पड़ें, इस त्यौहार के मौसम में... प्यार के त्यौहार का जश्न मनाने के लिए 18 सितंबर को आप सभी से मिलते हैं। लव इंश्योरेंस कंपनी (एलआईके) एक साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसे राउडी पिक्चर्स और सेवन स्क्रीन स्टूडियो ने मिलकर बनाया है। फिल्म में प्रदीप रंगनाथन, एसजे सूर्या और कृति शेट्टी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। इन सभी के अलावा फिल्म में योगी बाबू, गौरी जी किशन, मिस्किन, सीमन, आनंदराज, सुनील रेड्डी और शाह रा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी की कहानी काफी इंट्रेस्टिंग हैं, यह फिल्म एक आदमी के प्यार की तलाश की है। वह अपने प्यार की तलाश में एक मोबाइल गैजेट के सहारे साल 2035 के सफर पर चला जाता है। यानी अपने प्यार को पाने के लिए वह आदमी टाइम ट्रेवल करता है। यह फिल्म 18 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तन्वी द ग्रेट का हिस्सा बनी पल्लवी जोशी, अनुपम खेर ने किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर अपनी आने वाली फिल्म तन्वी द ग्रेट में बतौर निर्देशक हाथ आजमा रहे हैं। इस फिल्म का दर्शक बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में अनुपम ने बोमन ईरानी, शुभांगी दत्त और जैकी श्रॉफ के फिल्म में होने का खुलासा किया था। अब उन्होंने फिल्म की एक और स्टारकास्ट के नाम से पर्दा उठा दिया है। इसका खुलासा उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर एक एक्ट्रेस की फोटो शेयर की।

इस फोटो में नीचे की तरफ फिल्म का नाम तन्वी द ग्रेट लिखा है, और ऊपर एक्ट्रेस का नाम और उसके किरदार के बारे में बताया गया है। यह एक्ट्रेस द कश्मीर फाइल्स में नजर आ चुकीं अदाकारा पल्लवी जोशी हैं। वह अब इस फिल्म की स्टारकास्ट में शुमार हो चुकी हैं। फिल्म में वह विद्या रैना नाम की महिला का किरदार निभाएंगी। इस पोस्ट के कैप्शन में अनुपम ने लिखा, मैं पल्लवी जोशी का लंबे समय से प्रशंसक रहा हूं, खासकर उनके टेलीविजन के दिनों से। वह बेहद प्रभावशाली कलाकार हैं। सिनेमा की दुनिया में उनका आना फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक उपहार है, क्योंकि वह बहुत चुनिंदा प्रोजेक्ट्स करती हैं, लेकिन जब भी पर्दे पर आती हैं, उनका अभिनय राष्ट्रीय पुरस्कार के लायक होता है। फिल्म तन्वी द ग्रेट में उनका किरदार प्रेम, गरिमा, त्याग और शक्ति की मिसाल है। वह बिलकुल सहजता से अभिनय करती हैं और उनके साथ काम करना एक सबक की तरह है। आपकी भारतीय सेना के प्रति समझ और संवेदना भी सराहनीय है, जो दूसरों को भी प्रेरित करती है। जय हिंद! बता दें कि फिल्म में बोमन ईरानी रजा साहब का किरदार निभाएंगे। वहीं जैकी श्रॉफ ब्रिगेडियर जोशी की भूमिका में दिखेंगे, जो एक भारतीय सैन्य अधिकारी हैं। फिल्म में ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी ने संगीत दिया है। फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियोज ने एनएफडीसी (राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम) के साथ मिलकर किया है। फिलहाल, फिल्म की रिलीज डेट अब तक सामने नहीं आई है।

There will be heavy rains at some places and severe heat at other places, Meteorological Department gave an update

New Delhi: Due to the monsoon conditions in the Bay of Bengal, the weather pattern across the country is changing. Due to this, fluctuations in temperature are being seen in some areas due to strong winds and rain.

According to the Indian Meteorological Department, heavy rains are forecast in Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Maharashtra till May 16. Along with this, pre-monsoon activities are intensifying in the western and southern states. Due to the effect of western disturbance, storm and rain occurred in many areas of Rajasthan in the last 24 hours. During this period, the highest maximum temperature of 42.5 degrees was recorded in Bikaner. Today, heat wave is expected in the border areas of Jodhpur, Bikaner division with maximum temperature reaching 44-45 degrees. Storm and rain warning has been issued in 11 districts of the state. There is a possibility of 2-3 degree rise in temperature from 15 May.

The effect of heat is increasing in Uttar Pradesh. Due to strong sunlight and hot winds, the maximum temperature has crossed 44 degrees, which was the hottest day of this season.

According to the Meteorological Department, heat wave is likely in many areas today. Rainfall is expected in the state from 16-19 May. An orange alert for heatwave has been issued in many districts of Bihar, while some places will witness rain accompanied by thunderstorms. The increased heat and humidity in the plains of Uttarakhand has made people miserable. On the other hand, it is raining lightly in the mountainous areas.This has brought relief in Chamoli, Rudraprayag and other high altitude areas. The weather is likely to remain dry in the state for the next 3 days and the temperature is likely to increase.Himachal Pradesh weather will be clear today, while snowfall or rain is expected in some high altitude areas. Today Delhi will be partly cloudy with wind speed of 15-35 km/hr. During this time the maximum temperature can be 40 and minimum 28 degrees.Similar weather is expected on May 15, while on May 16 it may be partly cloudy with light rain or drizzle. During this period, the maximum temperature may remain 40-42 degrees and minimum 28-30 degrees with wind blowing at a speed of 30-50 km/hour.

During Operation Sindoor, 36 naval ships and warships were ready for attack

New Delhi: During Operation Sindoor, the Indian Navy had deployed at least 36 of its ships on the front line. They were ready to attack Karachi as soon as they received the order. This information has been given quoting sources. This fleet of ships was led by INS Vikrant. Let us tell you that during the India-Pakistan war of 1971, 6 warships had attacked Pakistan. According to the report, these ships included 7 ships equipped with Brahmos missiles, medium-rangesurface-to-air missiles and Varunastra heavyweight torpedoes. These were capable of dealing with threats from land, air and water. Apart from this, 7 stealth guided-missile frigates, including INS Tushil, which was recently inducted into the Navy, were also deployed, which were ready to respond to every activity on the western coast. The report said that the Navy had also deployed 6 submarines. Apart from this, fast attack ships and missile boats were also included. In this way, 36 warships, ships and submarines were ready to respond to any action. The Navy has been put on high alert since the Pahalgam attack, following which Pakistan had issued a Navrea alert fearing a possible naval attack. The Pakistani Navy currently has less than 30 warships. The Indian Army has deployed a much larger fleet than this. The report said that Pakistan Navy's deployment was reportedly restricted to the Karachi port as it was unable to respond effectively due to the heavy Indian Navy presence. Amid the tension, many commercial ships also changed their route instead of going to Karachi. On April 22, 26 tourists were killed in a terrorist attack in Pahalgam, Jammu and Kashmir. India, blaming Pakistani terrorists for this, launched Operation Sindoor and targeted 9 terrorist hideouts on 7–8 May. After this, Pakistan fired missiles and drones on India, to which the Indian Army gave a befitting reply. A ceasefire between the two countries took place on May 10 following alleged US mediation.

After Operation Sindoor, Foreign Minister S Jaishankar's security has been increased, the cordon will be strengthened further

New Delhi: After the tension between India and Pakistan reached its peak and now the ceasefire, the central government has taken a big decision. The government has increased the security of Foreign Minister S Jaishankar on the advice of intelligence agencies, assessing the new threat. The External Affairs Minister is currently under Z category armed security cover of the Central Reserve Police Force (CRPF). He will now get enhanced security for his nationwide movement, which will also include a bullet-proof car. 69-year-old Jaishankar became an important face of India's diplomatic stance during Operation Sindoor against terrorism in Pakistan.

In October last year, he was given Y category security, which has now been upgraded to R category. Now the Foreign Minister's convoy will include a bullet proof vehicle and 22 security personnel. At present, he is accompanied by 12 armed CRPF commandos. Last year, his security was increased after threats from Khalistani terrorists. In India, Z category is considered the third highest security. Under this, more than 22 security personnel are deployed around. Apart from 4 to 6 National Security Guard personnel, it also comprises CRPF, personal security officers and static armed guards. There are also three watchers who work in shifts. Apart from this, 3 trained drivers are also deployed. This security is provided to VVIPs.

X accounts of Chinese Global Times, Xinhua News and Turkish broadcaster TRT banned in India

New Delhi: The Indian government has banned the X account of Turkish broadcaster TRT World along with Chinese government mouthpieces Global Times and Xinhua News. This action has been taken against all three for the posts being made against India. Both the Chinese media outlets have been involved in spreading propaganda against India in their newspapers and channels for the last several years. Both these accounts can no longer be viewed in India. Recently, the central government had banned the x accounts of many media and independent commentators and critics in the country in view of the India-Pakistan tension. The government had banned the Pakistani government and some of its ministers as well as around 10 media channels and YouTube channels. After this, X recommended to ban 8,000 X accounts. The government also banned The Wire website and Maktoob Media's X account.

Effect of poisonous liquor reached 7 villages of Amritsar, 21 people died so far

Punjab: The havoc of poisonous liquor has reached 7 villages in Amritsar district of Punjab, where so far 21 people have died after drinking liquor containing methanol. The number of sick people is also increasing in different villages of Majitha area. Currently more than 10 people are admitted in the hospital, out of which 6 people are said to be serious. Taking action in the case, Punjab Police has so far arrested 10 people. On Tuesday, Punjab Police received information that 12 people had died due to consumption of poisonous liquor in three villages of Majitha area - Bhaangli, Marari Kalan and Therewal.When the police team reached the spot, they found that the people had fallen ill on Sunday and after their death on Monday, the last rites were performed without informing anyone. After this, on Tuesday, reports of deaths started coming from Patalpuri, Talwandi, Khumman, Karnala and Bhangwan villages also. Police said the 10 people who were arrested told that 600 kg of methanol was ordered online from Delhi, using which liquor was made.He said that many people are involved in this work, due to which the police suspect a gang. The police team has also left for Delhi.The Punjab government has suspended the Deputy Superintendent of Police and the station in-charge. The Bhagwant Mann government will give a compensation of Rs 10 lakh each to the families of the deceased.

20 percent of Pakistan Air Force's infrastructure destroyed in Operation Sindoor, how much more damage was done?

New Delhi: Pakistan has suffered heavy losses in Operation Sindoor launched by India in response to the Pahalgam attack. About 20 percent of the infrastructure of the Pakistan Air Force has been destroyed and many of its fighter planes have also been destroyed in the precise attacks carried out by India. 50 soldiers of the Pakistani army, including officers, have also been killed in the Indian attacks. This also includes 4 airmen of the Pakistani Air Force. According to the report, India targeted military installations and airports in Noor Khan in Chaklala, Rafiqui in Shorkot, Murid in Chakwal, Sukkur, Sialkot, Pasrur, Chunian, Sargodha, Skardu, Bholari and Jacobabad. Pakistan Air Force's F-16 and J-17 fighter jets were deployed here.Some satellite images of these attacks have also emerged, in which the damage caused to Pakistan's airbase can be clearly seen. According to reports, more than 50 people, including Air Force Squadron Leader Usman Yusuf and 4 airmen, have been killed in the attack on Bholari Air Base in Jamshoro, Sindh. Sources said that several fighter planes of the Pakistan Air Force were destroyed in the attack. Many terrorist bunkers and Pakistani Army hideouts have also been destroyed in the retaliatory action by the Indian Army on the Line of Control.

The Indian Army has from time to time released evidence of attacks on Pakistani airbases and terrorist hideouts. The army has released pictures before and after the attack showing the scene of devastation. In these, it can be seen that many Pakistani airbases have been completely destroyed after the attack. Recently news came that the only runway of Rahim Yar Khan Airbase has been closed for a week. The Director General of Military Operations of all three armies of India confirmed that the Indian Army had shot down a Mirage fighter jet of the Pakistan Air Force. The army also showed the wreckage of the Mirage fighter plane. "The Chinese-made PL-15 missiles fired by Pakistan also missed their targets and you can see its fragments which are available with us. Another weapon that has been found is long-range rockets," the army said.

Justice BR Gavai became the 52nd Chief Justice of India, tenure will be of 6 months

New Delhi: Supreme Court Justice Bhushan Ramkrishna Gavai took oath as the 52nd Chief Justice of India on Wednesday. He was sworn in by President Draupadi Murmu. He replaced Justice Sanjiv Khanna, who retired as the Chief Justice of India (CJI) on Tuesday. Justice Gavai will remain the CJI of the country for the next 6 months (November 23, 2025). His name was recommended to the Law Ministry. Justice Gavai is the country's first Buddhist and second Dalit CJI. Before him, Justice KG Balakrishnan, who belonged to the Scheduled Caste, has also been the CJI. Balakrishnan, who hails from Kerala, was the CJI from January 2007 to May 2010. Justice Gavai was appointed to the Supreme Court on May 24, 2019. Earlier, he has served in the Bombay High Court. Justice Gavai will retire on November 24, 2025. Justice Gavai has delivered over 600 judgments during his tenure and has been part of more than 200 benches. He had opposed the bulldozer action and said properties cannot be demolished merely if the person is accused/convicted of the crime. He was also part of the benches that delivered crucial judgements on issues such as quota within quota for OBCs, Article 370, Delhi liquor policy case, electoral bonds and demonetisation. Justice Gavai was born on November 24, 1960 in Amravati, Maharashtra. He is the son of former Governor of Bihar and Kerala RS Gavai. He started practicing law in 1985. He practised in the Bombay High Court from 1987 to 1990. He was appointed Assistant Government Pleader and Additional Public Prosecutor for the Maharashtra Government in the Nagpur Bench of the Bombay High Court in 1992. Justice Gavai became an additional judge of the High Court in 2003 and a permanent judge in 2005. Vice President Jagdeep Dhankhar, former CJI Sanjiv Khanna, Prime Minister Narendra Modi, Lok Sabha Speaker Om Birla and other members of the Union Cabinet attended the swearing-in ceremony held at Rashtrapati Bhavan. Everyone congratulated him after the swearing-in.

After India-Pakistan tension, more bunkers will be built in the border areas of Jammu and Kashmir

Srinagar: Recently, after tensions between India and Pakistan reached their peak, there was heavy shelling in the border areas of Jammu and Kashmir, due to which many people were killed. Learning from this, the central government will now increase the number of new community bunkers in the areas around the Line of Control (LOC), so that citizens can be kept safe in case of emergency. It is being told that 600 community bunkers and a centralized siren system will be installed in the areas. According to reports, Union Minister Jitendra Singh visited the areas along the LoC on Tuesday and said that further 600 bunkers and a centralised signal system would be set up. Meanwhile, Jammu and Kashmir Chief Secretary Ajay Dullu visited Rajouri and said that there are currently 9,500 bunkers around the LoC. He had said that the demand for bunkers is increasing and there will be no shortage of it and more bunkers will be constructed. According to the report, over the past decades, the government has built individual and community bunkers along the LoC and the International Border, but Poonch and Rajouri towns were outside this facility. According to the report, during earlier India-Pakistan tensions, these areas were untouched by shelling and were limited to border villages, but this time Pakistan changed the pattern and shelled here as well.An official was quoted as saying that both the towns have come under shelling for the first time.

Pakistan returned BSF jawan PK Shaw, India also returned Pakistani Ranger

New Delhi: Pakistan has returned Border Security Force (BSF) jawan PK Shaw who accidentally crossed the border during tension between India and Pakistan. The Pakistan Army has sent the soldier back from the Wagah border after keeping him in custody for 20 days. While patrolling in Punjab, Shaw accidentally crossed the Pakistan border, after which he was detained by Pakistani Rangers. He is being questioned by security officials. In its statement, BSF said, "Constable Purnam Kumar Shaw was repatriated from Pakistan by BSF at Attari-Wagah border today at 10:30 am. Constable Shaw had inadvertently entered Pakistani territory during operational duty in Ferozepur sector on 23 April 2025 at around 11:50 am and was detained by Pak Rangers. The return of the constable was made possible through regular flag meetings and other communication channels with Pakistan Rangers." Constable Shaw, posted with the 182nd battalion of the BSF, was posted along with another jawan near the international border in Ferozepur, Punjab on April 23. His duty was to monitor and protect the farmers harvesting crops near the fence. Then he came forward to rest under the shade of a tree in the afternoon and accidentally crossed into the Pakistani border. Then the Pakistani Rangers posted there arrested him. After the release of BSF jawan Shaw from Pakistan, India has also released a Pakistani Ranger who had entered India illegally. Pakistani media confirmed that India has released Punjab Rangers soldier Muhammad Allah who had illegally entered India on Wednesday. Both the countries have released each other's soldiers from their respective custody following the established protocol.